राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 14अगस्त–2021 वर्ष–4, अंक –202 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना महामारी डायरिया-सेप्सिस से बढ़ीं मौतें, 60 फीसदी से कम पहुंचे अस्पताल

नई दिल्ली। कोरोना में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावित होने से बच्चों पर सबसे सबसे ज्यादा असर पड़ा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अनुसार साल 2020 और 2021 (कोविड काल) में डायरिया और सेप्सिस से बच्चों की मौतें बढ़ी हैं। महामारी के चलते 65 फीसदी निमोनिया, 62 फीसदी अस्थमा और 44 फीसदी सेप्सिस के रोगी अस्पताल ही नहीं पहुंच सके। अस्पतालों में दर्ज गंभीर कुपोषण के मामलों में इस साल 53 फीसदी की कमी हुई है। जबकि इससे होने वाली मौतें शहरी अस्पतालों में पांच फीसदी ज्यादा दर्ज की गई हैं और ग्रामीण अस्पतालों में 59 फीसदी कम मौतें दर्ज हुई।

डेढ़ साल से घट रहे मरीज

जनवरी 2020 में 56497 बच्चे निमोनिया के चलते भर्ती हुए, लेकिन इसके बाद यह आंकड़ा मार्च में 39,949 और अप्रैल में 11,349 रह गया। 2021 में संख्या बढ़कर 20679 थी लेकिन मई में यह संख्या घटकर10,844 हो गई।

मृत्युदर कोरोना से भी ज्यादा

इन गंभीर बीमारियों को लेकर अगर 50 फीसदी तक केस कम दर्ज किए जाते हैं,तो इससे मौत की आशंका बढ़ जाती है क्योंकि इन बीमारियों की मृत्युदर कोरोना से अधिक है। कोरोना की पहली, दूसरी लहर में डायरिया से मौतें 12 फीसदी तक बढ़ी हैं।

टीका निवारक रोगों की हालत गंभीर-?अगर टीका निवारक रोगों की बात करें तो यह भी बच्चों में काफी गंभीर हुए हैं। डिप्थीरिया के 36, काली खांसी के 62 और बच्चों में टीबी के 30 फीसदी मामलों में कमी हुई।

खसरा से 267 फीसदी बढ़ीं मौतें- अस्पतालों में खसरा के 59 फीसदी मामले कम दर्ज हुए हैं लेकिन एक से पांच वर्ष की आयु वाले बच्चों में खसरे से मौतें शहरी क्षेत्रों में 267 फीसदी ज्यादा दर्ज हुई हैं।

क्या रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाएगी सरकार ?

आर्थिक सलाहकार परिषद ने सौंपा प्रस्ताव–बढ़ रही है बुजुर्गों की आबादी

नई दिल्ली। अभी देश में बेरोजगारी को लेकर हो-हल्ला मचा हुआ है, इस बीच एक ऐसा प्रस्ताव आया है जिसमें रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने की बात कही गई है. प्रधानमंत्री की इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल ने एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें रिटायरमेंट की उम्र को बढ़ाने की वकालत की गई है. रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले वक्त में देश में बुजुर्गों की आबादी तेजी से बढ़ेगी.

बुजुर्गों को ज्यादा समय तक काम करने की इजाजत मिले

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने सरकार को रिटायमरेंट की उम्र बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है. परिषद का कहना है कि बेहतर हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर की वजह से अनुमानित जीवन काल में बढ़ोतरी जारी रहने की उम्मीद है. परिषद का कहना है कि बुजुर्ग लोगों को भी उनकी पिछली पीढ़ी के मुकाबले ज्यादा समय तक काम करने की इजाजत

मिलनी चाहिए.

धीरे-धीरे बढ़ानी चाहिए रिटायरमेंट की उम्र

बुधवार को जारी इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल की रिपोर्ट में कहा गया है कि रिटायरमेंट की उम्र को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया जाना चाहिए, क्योंकि भारत युवाओं का देश है और यहां कामकाजी आबादी बहुत ज्यादा है. परिषद के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने से मौजूदा कर्मचारियों की जरूरतों और नौकरियों की उपलब्धता से समझौता किए बिना बुजुर्ग लोगों के लिए रोजगार के मौके बनते हैं.

कौशल विकास के लिए पॉलिसी बने

रिपोर्ट में कहा गया है कि कामकाजी उम्र की आबादी को बढ़ाने के लिए भी सेवानिवृत्ति की उम्र बढ़ाने की जरूरत है, या यह सामाजिक सुरक्षा प्रणाली पर दबाव को कम नहीं कर सकता है और देश के लिए इसे हासिल करना मुश्किल है. रिपोर्ट में 50 साल से ऊपर के व्यक्तियों के स्किल डेवलपमेंट की बात भी कही गई है. रिपोर्ट में कहा गया है केंद्र और राज्य सरकारों को ऐसी नीतियां बनाई जानी चाहिए जिससे उनका कौशल विकास किया जा सके. इस प्रयास में असंगठित क्षेत्र, दूरदराज के इलाकों में रहने वाले, रिफ्यूजी, प्रवासियों को भी शामिल किया जाना चाहिए जिनके पास ट्रेनिंग हासिल करने के साधन नहीं होते हैं.

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने सरकार को रिटायमरेंट की उम्र बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है. परिषद का कहना है कि बेहतर हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर की वजह से अनुमानित जीवन काल में बढ़ोतरी जारी रहने की उम्मीद है. परिषद का कहना है कि बुजुर्ग लोगों को भी उनकी पिछली पीढ़ी के मुकाबले ज्यादा समय तक काम करने की इजाजत मिलनी चाहिए.

कहां सबसे ज्यादा बुजुर्ग

इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल की ओर से दी गई रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान वृद्ध राज्यों की लिस्ट में सबसे ऊपर है, इसके बाद सबसे ज्यादा बुजुर्ग लोगों की आबादी महाराष्ट्र और बिहार में है. जबकि अपेक्षाकृत वृद्ध राज्यों की कैटेगरी में हिमाचल टॉप पर है, इसके बाद नंबर आता है उत्तराखंड और हरियाणा का. रिपोर्ट में 50 लाख या इससे ज्यादा आबादी वाले वृद्ध राज्य और 50 लाख से कम आबादी वाले को अपेक्षाकृत वृद्ध राज्य कहा गया है.

बुजुर्ग लोगों के लिए काम करने वाली संस्था Help Age International की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत की कुल आबादी का 10 प्रतिशत (लगभग 139 मिलियन लोग) 2019 तक 60 वर्ष से अधिक आयु के थे, 2050 तक ये आंकड़ा 19.5 प्रतिशत तक हो जाएगा. ऐसे में देश में हर 5 में से एक व्यक्ति सीनियर सिटिजन होगा.

परमबीर के खिलाफ अवैध वसूली मामले में लुकआउट नोटिस जारी

मुंबई। ठाणे पुलिस ने अवैध वसूली मामले में मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। कारोबारी केतन तन्ना की शिकायत पर ठाणे नगर थाने में परमबीर और 27 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था।

लुकआउट नोटिस दरअसल किसी व्यक्ति के देश छोड़कर भागने से रोकने के लिए जारी किया जाता है। थाने में दर्ज एफआईआर में कई अन्य पुलिस अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं।

बिल्डर तन्ना ने यह आरोप लगाया

एफआईआर में बिल्डर तन्ना ने आरोप लगाया है कि परमबीर सिंह जब ठाणे के पुलिस आयुक्त थे, तब जनवरी 2018 से फरवरी 2019 के बीच आरोपियों ने उन्हें एंटी एक्सटॉर्शन सेल में तलब कर गंभीर आपराधिक मामलों में फंसाने को लेकर धमकाया और उनसे 1.25 करोड़ रुपये ऐंठ लिए।

इस मामले के अलावा महाराष्ट्र सीआईडी सट्टे के बुकी सोनू जालान द्वारा सिंह के खिलाफ लगाए

गए कथित फिरौती के आरोपों की जांच की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि परमबीर सिंह को इस साल मार्च में मुंबई पुलिस के प्रमुख के पद से हटा दिया गया था। देश के शीर्ष उद्योगपति मुकेश अंबानी के मुंबई स्थित आवास के बाहर एक एसयूवी में विस्फोटक मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई थी। इसके बाद उठे विवाद के दौरान परमबीर सिंह ने महाराष्ट्र के तत्कालीन गृहमंत्री देशमुख पर अवैध वसूली कराने के आरोप लगाए थे। इसके बाद देशमुख को इस्तीफा देना पड़ा था। इस मामले की जांच जारी है।

जम्मू-कश्मीरः सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, कुलगाम मुठभेड़ में एक आतंकी किया ढेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया है। जिस बिल्डिंग में आतंकी छिपे हैं, उसकी तलाशी अभी बाकी है। फिलहाल सर्च ऑपरेशन चल रहा है। जानकारी के अनुसार, दक्षिणी कश्मीर के कुलगाम जिले के काजीगुंड में जम्मू-श्रीनगर हाईवे पर वीरवार दोपहर बाद आतंकियों ने बीएसएफ के काफिले पर अंधाधुंध फायरिंग की। हमले के बाद जवानों ने मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान हमलावर आतंकी भागकर एक दुकान के गोदाम में छिप गए और वहां से भी सुरक्षाबलों पर फायरिंग की। अंधाधुंध गोलीबारी में एक सीआरपीएफ जवान, एक सेना का जवान और दो नागरिकों को

गोलियां लगीं। सभी घायलों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया। पुलिस ने बताया कि जम्मू से श्रीनगर जा रहा काफिला जैसे ही काजीगुंड इलाके के मलपोरा में पहुंचा तो पहले से घात लगाए आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई फायरिंग के बाद काफिले में शामिल जवानों ने मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। इससे आतंकी मौके से भाग निकले। जवानों ने पीछा किया तो आतंकी एक दुकान के गोदाम में घुस गए। सुरक्षाबलों ने उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन वे तैयार नहीं हुए। उन्होंने सुरक्षाबलों पर फायरिंग जारी रखी। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। आईजी कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि हाईवे पर बीएसएफ के काफिले पर आतंकियों ने हमला किया। शुक्रवार की सुबह सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी हाथ लगी। सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया। हालांकि जिस गोदाम में आतंकी छिपे थे, उसकी अभी तलाशी नहीं हो पाई है।आईजीपी कश्मीर विजय कुमार ने बताा कि एक आतंकवादी मारा गया है। भवन की पूरी तलाशी अभी बाकी है।

देशभर में मनाई गई नाग पंचमी, मंदिरों में भक्तों की लगी भीड़

भोपाल। देशभर में आज यानी 13 अगस्त को नाग पंचमी मनाई जा रही है। कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए प्रोटोकॉल नियमों का पालन करते हुए मंदिरों में भक्तों कि कपाट खोले गए हैं। मध्य प्रदेश के उज्जैन महाकालेश्वर मंदिर में नागचंद्रेश्वर मंदिर के कपाट कल रात नाग पंचमी पर 12 बजे खोले गए थे। हालांकि, कोरोना के चलते पुजारियों ने आम भक्तों की भागीदारी के बिना प्रार्थना की।भक्तों को केवल महाकालेश्वर मंदिर में सुबह 5 बजे से रात 9 बजे तक दर्शन की अनुमति प्रदान की गई है। तो चलिए जानते हैं कि इस दिन संबंधित सभी अहम जानकारी।

बता दें कि प्रत्येक वर्ष सावन महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी मनाई जाती है। इस साल याह तारिख आज शुक्रवार, 13 अगस्त को पड़ी है। आज नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा करने से कई लाभ होते हैं। इतना ही नहीं कहा जाता है कि इस दिन नाग देवता को

दूध पिलाया जाता है। नाग को भगवान शंकर ने अपने गले में धारण किया है, लिहाजा नाग पंचमी पर नाग देवता के साथ-साथ शिव जी की पूजा की जाती है। ऐसे में भक्त मंदिर जाकर या घर पर भी पूजन करते हैं। हालांकि, इस दिन कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है वरना जातक को पुण्य मिलने की बजाय पाप लग सकता है और जिंदगी में मुश्किलें आती हैं।

मिशन 'चंद्रयान-2' की बड़ी कामयाबी, चांद की सतह पर पानी के अणुओं की मौजूदगी का पता लगाया

नई दिल्ली। भारत के दूसरे चंद्र मिशन 'चंद्रयान-2' को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। चंद्र मिशन 'चंद्रयान-2' ने चंद्रमा पर पानी के अणुओं की मौजूदगी का पता लगाया है। मिशन के दौरान प्राप्त आंकड़ों से यह खुलासा हुआ है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष ए एस किरण कुमार केसहयोग से लिखे गए अनुसंधान पत्र में कहा गया है कि 'चंद्रयान-2' में लगे उपकरणों में इमेजिंग इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोमीटर (आईआईआरएस) नामक उपकरण भी है, जो वैश्विक वैज्ञानिक आंकड़ा प्राप्त करने के लिए 100 किलोमीटर की एक ध्रुवीय कक्षा से संबंधित काम कर रहा है।

दरअसल, करंट साइंस पत्रिका में प्रकाशित पत्र में कहा गया कि

आईआईआरएस से मिले शुरुआती डाटा से चंद्रमा पर 29 डिग्री उत्तरी और 62 डिग्री उत्तरी अक्षांश के बीच व्यापक जलयोजन और अमिश्रित हाइड्रोक्सिल (ओएच) और पानी (एच2ओ) अणुओं की मौजूदगी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

भारत ने अपने दूसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-2 को 22 जुलाई 2019 को चांद के लिए रवाना किया था। हालांकि, इसमें लगा लैंडर विक्रम उसी साल सात सितंबर को निर्धारित योजना के अनुरूप चांद के दक्षिण ध्रुव क्षेत्र में सॉफ्ट लैंडिंग करने में सफल नहीं रहा, जिसकी वजह से पहले ही प्रयास में चांद पर उतरने वाला पहला देश बनने का भारत का सपना पूरा नहीं हो पाया।

चट्टानों में पाए गए जल अणु

प्लेजियोक्लेस प्रचुर चट्टानों में चंद्रमा के अंधकार से भरे मैदानी इलाकों की तुलना में अधिक ओएच (हाइड्रोक्सिल) या संभवत- एच2ओ (जल) अणु पाए गए हैं। चंद्रयान-2 से भले ही वांछित परिणाम न मिले हों, लेकिन इससे संबंधित घटनाक्रम मायने रखता है। चंद्रयान-2 के लैंडर के भीतर प्रज्ञान नाम का रोवर भी था। मिशन का ऑर्बिटर अब भी अच्छी तरह काम कर रहा है और यह देश के पहले चंद्र मिशन चंद्रयान-1 को आंकड़े भेजता रहा है।

खेल मंत्री ने किया फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 का शुभारंभ, दिल्ली– महाराष्ट्र समेत देश के कई राज्यों में दौड़ कार्यक्रम

नई दिल्ली। देश के खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 को लांच किया। उन्होंने आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर के साथ युवा मामले और खेल राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक भी मौजूद थे। इसके अलावा बीएसएफ, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, रेलवे, एनवाईकेएस, आईटीबीपी, एनएसजी, एसएसबी जैसे संगठन के सदस्य भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव का जश्न मनाने के लिए, हमने देश भर में फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 लांच किया है। इसे आज 75 प्रतिष्ठित स्थानों पर लांच किया गया है। यह अभियान 2 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें देश के प्रत्येक जिले के 75 गांव हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में 2 अक्टूबर तक प्रत्येक जिले और प्रत्येक गांव के लोग इस आंदोलन में भाग लेंगे। पिछली बार 5 करोड़ लोग हमसे जुड़े थे और इस बार 7.5 करोड़ लोग सीधे हमसे जुड़ेंगे। मुझे उम्मीद है कि जैसे-जैसे अभियान आगे बढ़ेगा यह संख्या बढ़ती जाएगी। फिट

इंडिया फीडम रन 2.0 के शुभारंभ पर केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि जब हम अपनी आजादी के 75वें से 100वें वर्ष की ओर बढ़ते हैं तो यह हम सभी पर निर्भर करता है कि हम उन 25 वर्षों में देश को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं। यह तभी संभव है जब हम फिट रहें।

देश के कई राज्यों में दौड़ कार्यक्रम-दिल्ली में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और एमओएस (खेल) निसिथ प्रमाणिक ने फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 को हरी झंडी दिखाई। पंजाब में फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 को अमृतसर में अटारी-वाघा बॉर्डर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। दौड़ में बीएसएफ (सीमा सुरक्षा बल) के जवान हिस्सा ले रहे हैं।युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय आजादी का अमृत महोत्सव-India@75 समारोह के तहत देश भर में फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 का आयोजन कर रहा है। 12 मार्च, 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान प्रधानमंत्री के उद्घाटन भाषण से प्रेरणा लेते हुए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने कार्यवाही और संकल्प ञ्च75 के स्तम्भ के तहत आजादी का अमृत महोत्सव के आयोजन की संकल्पना की है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

संसद में दुखद

मानसून सत्र के आखिरी दिन राज्यसभा में जो हुआ, उसे आसानी से भुलाया नहीं जा सकेगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराने में जुट गए हैं, लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि उच्च सदन की गरिमा को नुकसान पहुंचा है। विपक्ष ने जहां यह आरोप लगाया है कि मार्शलों ने सांसदों से गलत व्यवहार किया, तो वहीं सरकार की ओर से कई मंत्रियों ने सामने आकर कहा कि विपक्ष ने असंसदीय व्यवहार किया और सेक्रेटरी जनरल व स्टाफ के साथ धक्का-मुक्की की गई। और तो और, राज्यसभा के हंगामे के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं और वायरल हो रहे हैं, जिनमें भारतीय संसद में मचे हंगामे को दुनिया देख रही है। ये दृश्य ऐसे दाग की तरह हैं, जिन्हें सियासत या किसी सफाई से धोया नहीं जा सकता। सवाल हमेशा के लिए पैदा हो चुका है कि क्या हमारी संसद में महिला मार्शल अब सुरक्षित नहीं हैं? क्या विपक्षी सांसदों पर नियंत्रण के लिए बाहर से चालीस-पचास मार्शल बुलाए गए थे? क्या इस पूरे प्रकरण की जांच होगी? क्या देश इस हंगामे का पूरा सच जान पाएगा? सरकार कह तो रही है कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी, लेकिन क्या जांच सियासत से प्रभावित नहीं होगी? आम तौर पर हमने अनेक सांसदों को सदन में हंगामा करते देखा है और हम इन नियोजित हंगामों को सहजता से स्वीकार करते आए हैं, तो नतीजा सामने है। शुक्रवार को एक तरफ, विपक्षी दलों ने मार्च निकाला, तो दूसरी ओर, केंद्र सरकार के अनेक मंत्रियों ने एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विपक्ष पर हमला बोला। मतलब, एक-दूसरे को दोषी ठहराने की सियासत का माहौल बन गया है। देश के वरिष्ठतम नेताओं में शुमार शरद पवार ने कहा कि मैंने 55 साल की संसदीय राजनीति में आज तक ऐसा कभी नहीं देखा, सांसदों के साथ दुर्व्यवहार किया गया। पर यहां यह सवाल वाजिब है कि जो सांसद मेज पर चढ़ गए थे, उनके बारे में पवार ने कुछ क्यों नहीं कहा? दरअसल, यही सियासी चालाकी है, जिसका खमियाजा हमने राज्यसभा में देख लिया। अगर हम ऐसी सियासत पर लगाम नहीं लगा पाए, तो आगे ऐसे अनेक घटनाक्रम देखने को मजबूर होंगे। सदन में व्यवहार का एक स्तर होना चाहिए, वहां ऐसी पारदर्शिता होनी चाहिए कि जहां सत्य और असत्य, साफ-साफ नजर आए। लेकिन हम विगत दशकों से सत्य का कम और स्वार्थ या दलीय सियासत का साथ ज्यादा देते आए हैं। केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जब व्यक्ति दिवालिया हो जाता है, तब ऐसी हरकतें करता है। दूसरी ओर, राहुल गांधी इसे सत्ता पक्ष द्वारा लोकतंत्र की हत्या बता रहे हैं। आखिर उपाय क्या है? सदन में सांसदों के असंसदीय व्यवहार को काबू में करने के लिए कड़े नियम-कायदों की जरूरत बढ़ गई है। कुछ सांसदों को लग रहा है कि वे लोकतांत्रिक परंपरा के खिलाफ जाएंगे और उनका कुछ भी नहीं बिगड़ेगा। वह गलतफहमी में हैं, आज जो विपक्ष में हैं, वे सत्ता में आएंगे, तो उन्हें तैयार रहना चाहिए कि उनके साथ भी क्या-क्या हो सकता है? संसद में दुर्व्यवहार वास्तव में खुद अपने लिए और भावी सांसदों के लिए गड्ढे खोदने जैसा काम है। इस गड्ढे को मिल-जुलकर भरने में ही भलाई है, ताकि किसी के गिरने या किसी को गिराने की न नौबत आए और न गुंजाइश रहे।

'आज के ट्वीट

आवास

विधायकों के आवास की समस्या काफी पुरानी थी। विधायक नगर पूर्व एवं पश्चिम तथा जालूपुरा में बने विधायक आवास काफी पुराने एवं जर्जर हो चुके थे। ऐसे में हमारी सरकार ने वर्षों से लंबित विधायकों की इस समस्या का समाधान करते हुए विधायक आवास परियोजना को मंजूरी दी। -- मु. अशोक गहलोत

कोरोना काल में शिक्षा के स्तर में गिरावट हुई है

– मनोहर लाल

सभी बच्चों में गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा को एक समान और समावेशी बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने समग्र शिक्षा योजना के विस्तार को मंजूरी दे दी है। इसके तहत कैबिनेट ने तक़रीबन तीन लाख करोड़ रूपए खर्च को भी स्वीकृति दी है। इसे समग्र शिक्षा योजना 2.0 का भी नाम दिया गया है। इस योजना के तहत प्रस्तावित स्कूली शिक्षा के बुनियादी ढांचे के विकास, मूलभूत साक्षरता, समान, समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार तथा डिजिटल पहल जैसे प्रमुख उद्देश्य शामिल हैं। योजना की ख़ास बात यह है कि इसके तहत अब निजी विद्यालयों की तरह सरकारी स्कूलों में भी प्ले स्कूल खोले जायेंगे। दरअसल इस योजना के विस्तार के तहत स्कूलों में ऐसा समावेशी वातावरण तैयार करने पर ज़ोर दिया गया है, जो विविध पृष्ठभूमियों, बहुभाषी ज़रूरतों और बच्चों की विभिन्न अकादमिक क्षमताओं का ख्याल रखता हो। इसके साथ साथ बालिकाओं की मदद, सीखने की प्रक्रियाओं की निगरानी और शिक्षकों की क्षमता के विकास और उनके प्रशिक्षण पर विशेष ज़ोर देना है। माना जा रहा है कि यह योजना न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने में कारगर सिद्ध होगा बल्कि भविष्य में छात्रों को रोजगारोन्मुख भी तैयार करने में महत्वपूर्ण होगा। भविष्य की योजना को लेकर तैयार किए गए इस पॉलिसी से कितना फायदा होगा, यह भविष्य के गर्त में छिपा हुआ है। लेकिन वर्त्तमान परिस्थिति अर्थात कोरोना काल में देखा जाये तो ऐसा लगता है कि शिक्षा की नीति को एक बार और दिशा देने की ज़रूरत है। विश्व में फैली महामारी कोविड-19 के कारण एक तरफ जहां लोगों का सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है वहीं दूसरी ओर शिक्षण व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। विशेषकर देश के ग्रामीण और दूर दराज़ क्षेत्रों की बात की जाए तो यह प्रतिकूल प्रभाव और भी गहरा नज़र आता है। बच्चे न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित होकर रह गए हैं बल्कि बिना पढ़े औसत अंकों के आधार पर उन्हें अगली कक्षा में प्रवेश देने की प्रक्रिया के कारण उनकी बौद्धिक क्षमता भी प्रभावित हो रही है। देश के अन्य राज्यों की भांति राजस्थान भी इस प्रक्रिया से अछूता नहीं है। राज्य में लॉकडाउन के बाद से ही सभी शिक्षण संस्थाएं (निजी व सरकारी विद्यालय) पूरी तरह से बंद हैं। विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा दी जा रही है, लेकिन इसका प्रभाव ऑफलाइन यानी स्कूल में क्लास के माध्यम से दी जाने वाली शिक्षा की तुलना में कई गुना कम साबित हो रहा है। भारत-पाक सीमा पर स्थित जैसलमेर जिले की बात करे तो यहां की भौगोलिक परिस्थितियां बहुत ही विषम हैं। शिक्षा के क्षेत्र में यह राज्य के अन्य जिलों की तुलना में अधिक पिछड़ा हुआ है। वहीं कोरोना महामारी और उसके बाद लगातार हो रहे लॉकडाउन के कारण भी जैसलमेर जिला शिक्षा के क्षेत्र में और भी पीछे हो गया है। आर्थिक रूप से भी अति पिछड़ा होने के कारण यहां ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को अनेकों समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जैसलमेर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश अभिभावकों के पास एंड्राइड फ़ोन नही है। यदि गिने-चुने अभिभावकों के पास मोबाइल फ़ोन है तो ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल टॉवर एक बड़ी समस्या है। वहीं दूसरी ओर अभिभावकों की आर्थिक स्थिति दयनीय होने के कारण कई बार वह रिचार्ज करवा पाने में भी सक्षम नहीं होते हैं। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की समस्या भी अधिक रहती है, जिससे वह अपना मोबाइल फोन चार्ज भी नहीं कर पाते हैं। यह वह प्रमुख समस्याएं हैं जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में निवास कर रहे विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करना कठिन हो जाता है। ऐसा नहीं है कि छात्रों को होने वाली इन कठिनाइयों से शिक्षा विभाग अवगत नहीं है, लेकिन इसके बावजूद इन्हें दूर नहीं करने का उसका प्रयास उसकी उदासीनता को दर्शाता है। छात्रों को अगली कक्षा में प्रोन्नत करने से पहले परीक्षा आयोजित की जाती है। जिसके माध्यम से उनकी बौद्धिक क्षमता का मूल्यांकन किया जाता रहा है। लेकिन इस कोरोना काल के कारण राज्य में कक्षा एक से बारह तक अध्ययन कर रहे समस्त विद्यार्थियों को बिना परीक्षा के ही अगली कक्षा में प्रमोट कर दिया गया है। वहीं बोर्ड का परिणाम भी ऐसे ही जारी किया गया जिसमें कोई भी बच्चा फेल नहीं हुआ, अर्थात सभी विद्यार्थियों को अच्छे अंकों के साथ पास किया गया जिससे राज्य के कई स्कूलों का पिछले कई वर्षों का रिकॉर्ड भी टूट गया। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा 10वीं व 12वीं कक्षा का परिणाम घोषित किया गया। बोर्ड के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि जिसमे बोर्ड का नतीजा 99 प्रतिशत रहा। यह परिणाम अपने आप में एक ऐतिहासिक परिणाम है और सभी छात्र-छात्राओं, गुरुजनों, माता-पिता द्वारा एक दूसरे को बधाई दी जा रही है। लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या यह बधाई वास्तविक है या कोरोना की देन है? जिस प्रकार ऑफलाइन अध्ययन बंद होने के बाद ऑनलाइन अध्ययन द्वारा छात्रों ने जो अंक हासिल किए हैं, क्या उसे वाकई में छात्रों की मेहनत का परिणाम कहा जाना चाहिए? ऑनलाइन कक्षाओं का हाल किसी से छुपा हुआ नहीं है। अधिकतर ऑनलाइन कक्षाओं में उपस्थिति 10 से 15 प्रतिशत रहती है। इसके बावजूद छात्र-छात्राओं द्वारा 99 प्रतिशत अंक हासिल करना कैसी उपलब्धि है? इस समय हमें यह मंथन करना है कि छात्रों के अंक प्राप्त करने से हमें खुश होना है या छात्रों को जो ज्ञान प्राप्त हुआ है वह अधिक खुशी की बात है? वर्तमान में शिक्षा एक ऐसे खतरनाक मोड़ पर आ चुकी है जिसके लिए हम सबको चिंतन करने की आवश्यकता है कि किस प्रकार छात्रों को गुणवत्तापूर्ण अध्ययन उपलब्ध कराई जाये, जिससे उनका पूर्ण रूप से बौद्धिक विकास हो, न कि केवल पास और फेल तक सीमित रह जाये? बिना पढ़े और बिना परीक्षा दिए अंक प्राप्त करने पर हम गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं जबकि यह एक छलावा मात्र है। इससे विद्यार्थी अगली कक्षा में प्रवेश तो पा रहे हैं और उनका साल भी बर्बाद नहीं हो रहा है, लेकिन इससे कहीं न कहीं शिक्षा के प्रति उनकी गंभीरता को ख़त्म कर रहा है। हालांकि एक भी बच्चा का फेल नहीं होना अच्छी बात है, लेकिन शैक्षणिक उत्थान की दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह रिकॉर्ड एक चिंता का विषय बन जाता है। हमें यह सोचना चाहिए कि यह अंक सिर्फ काल्पनिक है, स्कूलों द्वारा फीस प्राप्त करने एवं सरकार द्वारा कोरोना से निपटने का एकमात्र साधन है। ज़रुरत है कोरोना के इस दौर में भी एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था तैयार करने की, जिसमें विद्यार्थियों में सीखने की क्षमता को बढ़ाया जा सके। यदि डिजिटल तकनीक के माध्यम से हम ऑनलाइन शिक्षा उपलब्ध करा सकते हैं तो इसी ऑनलाइन माध्यम से ही बुनियादी ढांचे को मज़बूत करने की किसी योजना को मूर्त रूप क्यों नहीं दे सकते हैं? एक ऐसी योजना जिससे जैसलमेर के दूर दराज़ ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे भी शिक्षा में समान और समावेशी भागीदारी निभा सकें? जिससे इस क्षेत्र भी अन्य ज़िलों की तरह ही शैक्षणिक पिछड़ापन को कम किया जा सके।

ज्ञान गंगा

मन

जग्गी वासुदेव

किसी व्यक्ति को, अपनी मान्यताओं द्वारा बनाई गई मानसिकता के परे जा कर देखने और यह स्वीकार करने के लिए कि जीवन के मूल पहलुओं के बारे में भी वह कुछ नहीं जानता, अत्यधिक साहस की आवश्यकता होती है। क्या आप मानते हैं कि आप के पास दो हाथ हैं? या फिर, आप जानते हैं कि आप के पास दो हाथ हैं? आप अगर अपनी आंखों से उन्हें ना भी देखें, तो भी आप जानते हैं कि आप के पास दो हाथ हैं। यह बात आपको आपके अनुभव से पता है पर जब बात ईश्वर की आती है तो आप को बताया गया है कि आप विश्वास कर लें। किसी ने भी आप को यह नहीं कहा है कि आप को दैविकता की खोज कर के पता लगाना चाहिए! किसी चीज में विश्वास कर लेना आप में कभी कोई परिवर्तन नहीं ला सकता पर यदि आप उसका अनुभव कर लेते हैं, तो फिर यह आप को पूरी तरह से परिवर्तित कर देगा। कोई अनुभव हुए बिना, आप कुछ भी विश्वास कर लें तो उसका कोई अर्थ नहीं है। मान लीजिए, आप के जन्म के समय से ही अगर मैं आप को लगातार यह बताता रहूं कि मेरी छोटी उंगली ही ईश्वर है, तो जब भी मैं आप को अपनी छोटी उंगली दिखाऊंगा, आप दैवीय भाव से भर जाएंगे। और अगर, आप के जन्म के समय से ही, मैं आप को सिखाता रहूं कि मेरी छोटी उंगली शैतान है, तो जब भी मैं आप को अपनी छोटी उंगली दिखाऊंगा, आप आतंकित हो जाएंगे। यही आप के मन की प्रकृति है। आप अपने मन में कुछ भी सोचें, उसका कोई महत्व नहीं है। एक साधन की तरह यह ठीक है पर आखिरकार, इसका कोई महत्व नहीं है, क्योंकि यह आज एक रूप में होता है और कल दूसरे रूप में। मन अत्यंत तरल है, आप इससे कुछ भी बना सकते हैं। यह कैसे बनता है, वो इस बात पर आधारित है कि उस पर कैसे प्रभाव पड़ते हैं? अगर आप गहराई से देखें तो आप जिसे 'अपना मन' कहते हैं, वो एक ऐसी चीज है जिसे आप ने अपने आसपास के हजारों लोगों से उधार ले कर बनाया है। आप ने अपने इस मन को छोटे-छोटे टुकड़ों और हिस्सों में इकट्ठा किया है। आप का मन बस आप की पृष्ठभूमि है-इस बात पर आधारित है कि आप किस तरह के परिवार से आते हैं, आप का शिक्षण एवं धर्म, देश या समाज जहां से आप हैं और वो दुनिया जिसमें आप रहते हैं।

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

गरीब को न्याय व सम्मान हो लक्ष्य

विवेक सिंह

गरीबी की कोई जाति नहीं होती परंतु देश में जाति पर आधारित जनगणना की मांग लगातार विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा उठाई जा रही है। जातिगत जनगणना की मांग कोई नयी नहीं है। जातिगत जनगणना की मांग विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा 1947 से लगातार की जा रही है। 1951 में तत्कालीन गृहमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल ने जातिगत जनगणना की मांग एक सिरे से खारिज करते हुए ऐसी जनगणना को सामाजिक सौहार्द के लिए खतरनाक बताया था। क्या आज परिस्थितियां बदल चुकी हैं? सामाजिक न्याय और पिछड़ों के उत्थान के लिए अनेक अन्य रास्ते सरकारों के पास उपलब्ध हैं फिर जातिगत जनगणना पर इतना जोर आखिर क्यों दिया जा रहा है? जातिगत जनगणना देश की सामाजिक और राजनीतिक हालात को देखते हुए उचित प्रतीत नहीं होती। जातिगत जनगणना के आंकड़ों से राजनीतिक दल राजनीतिक समीकरण साधने का प्रयास करेंगे, पिछड़ों के विकास और सामाजिक न्याय का उद्देश्य गौण हो जायेगा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा केंद्र सरकार को एक पत्र लिखा गया, जिसमें जातिगत जनगणना की मांग की गई है। तेजस्वी यादव ने भी नीतीश कुमार की मांग का समर्थन किया है। समाजवादी पार्टी शुरू से ही जातिगत जनगणना के पक्ष में है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस की महाआघाड़ी सरकार ने भी जातिगत जनगणना के समर्थन में एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार को भेजा है जिसे महाराष्ट्र के बीजेपी नेताओं का भी समर्थन है। तमिलनाडु सरकार द्वारा भी जातिगत जनगणना कराने के लिए प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है। नेशनल कमीशन फॉर बैकवर्ड क्लास, जो कि एक संवैधानिक संस्था है उसने भी जातिगत जनगणना कराने की मांग की है। 2018 में केंद्र सरकार ने भी 2021 में होने वाली जनगणना जाति आधारित हो सकती है, इस तरफ इशारा किया था, हालांकि अभी केंद्र सरकार जातिगत जनगणना कराने के पक्ष में नहीं है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने यह स्पष्ट किया है कि सरकार 2021 में होने वाली जनगणना में पिछड़े वर्ग की गणना कराने के पक्ष में नहीं है। भारत में जनगणना आरंभिक रूप से 1872 में शुरू हुई थी परंतु प्रथम पूर्ण जनगणना 1881 में हुई। इसके बाद 1891, 1901, 1911, 1921, 1931 और 1941 में भी जातिगत जनगणना हुई थी। 1941 में द्वितीय विश्व युद्ध होने की वजह से आंकड़ों को पूर्ण रूप से संकलित नहीं किया जा सका। 1931 की जनगणना अंतिम जातिगत जनगणना थी जो भाषा, धर्म और जाति पर आधारित थी। हमारे पास आज जो जातियों और उनकी संख्या (प्रतिशत) के विषय में जानकारी उपलब्ध है उसका आधार 1931 में हुई जनगणना है। 1931 की जनगणना के अनुसार देश में अनुसूचित जाति (एससी) के लोगों की संख्या 15.5 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति (एसटी) 7 प्रतिशत और अन्य पिछड़ी जातियों (ओबीसी) की संख्या 52 प्रतिशत थी। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि 1931 के जनगणना के समय पाकिस्तान और बांग्लादेश भारत के ही हिस्से थे, देश की जनसंख्या 27 करोड़ थी जो आज 140 करोड़ है। मंडल कमीशन ने 1931 की जनगणना को आधार मानते हुए ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की बात कही जिसे तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने लागू किया। वर्तमान में 1931 के जनगणना के अनुसार ही ओबीसी को 27 प्रतिशत, एससी को 15 प्रतिशत और एसटी को 7.5 प्रतिशत (कुल 49.5 प्रतिशत) आरक्षण दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक किसी भी हाल में आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं दिया जा सकता। ऐसी स्थिति में पिछड़ों की संख्या जानने से क्या हासिल होगा। देश की आजादी के उपरांत 1951 से लेकर 2011 तक संपन्न हुई कोई भी जनगणना जाति आधारित नहीं थी। 1951 से यह परंपरा बन गई कि जनगणना में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों को शामिल किया जाएगा और इनकी संख्या की गणना की जाएगी। एससी और एसटी को छोड़कर किसी और जाति को जनगणना में शामिल नहीं किया जाएगा। 2011 में यूपीए सरकार ने जातिगत जनगणना के लिए अलग से एक सोशियो इकोनामिक एंड कास्ट सेंसस (एसईसीसी) कराने का निर्णय लिया। एसईसीसी में 640 जिलों में आने वाले सभी 24.49 करोड़ घरों को शामिल किया गया और इस पर 4894 करोड़ रुपए खर्च भी हुए। रिपोर्ट 2013 में आ भी गई परंतु आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया गया। ओबीसी आरक्षण का फायदा अभी तक कुछ दर्जन जातियां ही उठा रही हैं, जबकि पिछड़े वर्ग में हजारों जातियां हैं। यदि ओबीसी में आने वाली बड़ी जातियां अपने लिए 27 प्रतिशत आरक्षण के अंदर अपनी संख्या के अनुसार 3 प्रतिशत, 4 प्रतिशत या 5 प्रतिशत आरक्षण की मांग करने लगीं तो उस स्थिति में सरकारों के लिए एक नई मुसीबत खड़ी हो जाएगी। ओबीसी में आने वाली जातियां और उपजातियां हर राज्य में एक समान नहीं हैं। संविधान निर्माताओं ने जाति रहित समाज की परिकल्पना की थी। आज जब जाति को खत्म करने की कोशिश होनी चाहिए उस समय जाति पर आधारित जनगणना के लिए सरकार पर राजनीतिक हित हेतु राजनीतिक दलों द्वारा दबाव बनाया जा रहा है। जातिगत जनगणना से जाति प्रणाली को और मजबूती मिलेगी। सवर्ण सोशल माइनोरिटी में आ जाएंगे। देश में पिछड़े वर्ग से संबंधित लोगों की संख्या काफी बढ़ी है। ओबीसी की संख्या या प्रतिशत पता कर लेने से देश और समाज को क्या फायदा हो जाएगा? यदि ओबीसी की जातिगत जनगणना कराने के बाद संख्या घट गई तो क्या ओबीसी को प्रदत्त आरक्षण के प्रतिशत को कम कर दिया जाएगा या ओबीसी आबादी बढ़ने की दशा में ओबीसी के आरक्षण के प्रतिशत को बढ़ा दिया जाएगा? जातिगत जनगणना से जातिगत राजनीति नहीं बढ़ जाएगी? आज गरीबों की संख्या की गणना किए जाने की आवश्यकता है। देश में कितने गरीब हैं इनकी संख्या का पता लगाने से केंद्र और राज्य सरकारें गरीब वर्ग को न्याय दे पाएंगी। गरीब और गरीबी की कोई जाति नहीं होती है। यदि राजनीतिक दल सच में गरीब वर्ग के लोगों को सामाजिक न्याय दिलाना चाहते हैं तो उन्हें जातिगत जनगणना के बजाय आर्थिक रूप से जो गरीब हैं उनकी संख्या की गणना के लिए सरकार पर दबाव बनाना चाहिए। देश में गरीबों की गणना होनी चाहिए ताकि उनको न्याय और सम्मान मिल सके।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोना 222 रुपये, चांदी 100 रुपये चढ़ी

नयी दिल्ली, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में सुधार आने के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 222 रुपये की तेजी के साथ 45,586 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले दिन के कारोबार में सोना 45,364 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 100 रुपये चढ़कर 61,045 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जो पिछले कारोबार में 60,945 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लाभ के साथ 1,757 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी 23.30 डॉलर प्रति औंस पर लगभग स्थिर बनी रही। एचडीएफसी सिक्युरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''सोने की कीमतों में मामूली सुधार के रुख के साथ उतार चढ़ाव बना हुआ है।''

वोडाफोन आइडिया के CEO ने उपभोक्ताओं से कहा, कंपनी बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली: वोडाफोन आइडिया के सीईओ रविंदर टक्कर ने कंपनी के सामने मौजूद अस्तित्व के संकट के बीच उपभोक्ताओं के नाम अपने एक संदेश में कहा कि दूरसंचार कंपनी बेहतर सेवाएं और सर्वश्रेष्ठ प्रस्ताव देना जारी रखेगी। उन्होंने कंपनी के वीआई ब्रांडिंग की पहली वर्षगांठ के करीब पहुंचने पर उपयोगकर्ताओं को उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि वीआई डिजिटल इंडियन और डिजिटल भारत के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी, सेवाएं एवं समाधान पेश करते हुए एक बेहतर कल के वादे के साथ आया है। टक्कर ने कहा कि कंपनी उपयोगकर्ताओं को आगे रखने के इस वादे को पूरा करना जारी रखेगी। उन्होंने कहा, आगे की ओर देखते हुए, हम आपको बेहतर सेवाएं और सर्वश्रेष्ठ प्रस्ताव देना जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं। हालांकि, टक्कर ने अपने संदेश में वीआईएल के सामने मौजूद समस्याओं का कोई उल्लेख नहीं किया।

जुलाई में दुपहिया की बिक्री कम हुई, यात्री वाहनों की थोक बिक्री पर आया 45 फीसदी उछाल

नई दिल्ली । महामारी कोरोना के चलते पाबंदियों में छूट और आने वाले त्योहारों के मद्देनजर कार कंपनियों द्वारा डीलरों के पास ज्यादा संख्या में वाहन पहुंचाने के साथ भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री जुलाई में 45 प्रतिशत बढ़कर 2,64,442 इकाई हो गई, जो पिछले साल इसी महीने में 1,82,779 इकाई थी। यात्री वाहनों में कार, यूटिलिटी वाहन और वैन शामिल हैं। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार दुपहिया वाहनों की थोक बिक्री जुलाई में दो प्रतिशत घटकर 12,53,937 इकाई रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में यह 12,81,354 इकाई थी। मोटरसाइकिलों की बिक्री भी जुलाई में 8,37,096 इकाई रही, जो जुलाई 2020 में 8,88,520 इकाई थी यानी इसमें छह प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। वहीं स्कूटर बिक्री जुलाई 2020 के 3,34,288 इकाइयों से 10 प्रतिशत बढ़कर इस साल जुलाई में 3,66,292 इकाई हो गई। इसी तरह, तिपहिया वाहनों की बिक्री पिछले महीने 41 प्रतिशत बढ़कर 17,888 इकाई रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 12,728 इकाई थी। वाणिज्यिक वाहनों को छोड़कर सभी श्रेणियों में कुल बिक्री पिछले साल जुलाई के 14,76,861 इकाइयों की तुलना में इस साल जुलाई में 15,36,269 इकाई रही।

रिजर्व बैंक का स्वर्ण भंडार बढ़कर 706 टन हुआ

मुंबई:

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार (फोरेक्स) के हिस्से के तौर पर अपनी स्वर्ण खरीद को बढ़ा दिया है। कैलेंडर वर्ष 2021 की पहली छमाही में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी में वृद्धि अब तक छमाही अवधि में सर्वाधिक रही। इस अवधि में विदेश मुद्रा भंडार में 29 टन सोना जोड़ा गया। अब विदेशी मुद्रा भंडार के हिस्से के तौर पर रिजर्व बैंक के पास सोने की मात्रा पहली बार 700 टन के पार जा चुकी है। 30 जून को केंद्रीय बैंक का स्वर्ण भंडार 705.6 टन पहुंच गया। 2018 के आरंभ में स्वर्ण भंडार 558.1 टन रहा था। रिजर्व बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार में स्वर्ण की हिस्सेदारी मार्च 2021 तिमाही की समाप्ति पर 7 फीसदी थी हालांकि जून तिमाही में यह घटकर 6.5 फीसदी रह गई थी। विश्व स्वर्ण परिषद के पास उपलब्ध ताजा आंकड़ों के मुताबिक जून 2021 में वैश्विक केंद्रीय बैंकों ने 32 टन सोने की खरीद की थी जिसमें भारत ने ही 30 फीसदी या 9.4 टन सोने की खरीद की थी। मार्च 2018 में रिजर्व बैंक ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में 2.2 टन सोना जोड़ा था जो नवंबर 2009 के बाद से उसकी पहली खरीद थी। नवंबर 2009 में केंद्रीय बैंक ने अपने भंडार में शामिल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से 200 टन सोने की खरीद की थी।

ट्विटर इंडिया के MD मनीष माहेश्वरी का अमेरिका ट्रांसफर, सीनियर डायरेक्टर के पद पर हुई नियुक्ति

नेशनल डेस्क: भारत में हो रहे लगातार विरोध के बाद सोशल मीडिया कंपनी ट्विटर ने ट्विटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर (MD) मनीष माहेश्वरी पर बड़ी कार्रवाई की है। ट्विटर ने उन्हें स्ख के पद से हटा दिया है और उनका ट्रांसफर अमेरिका कर दिया है। मनीष की नियुक्ति अमेरिका में सीनियर डायरेक्टर के पद पर हुई है। दरअसल, राहुल गांधी के ट्विटर अकाउंट को ब्लॉक किए जाने के ट्विटर पर सवाल उठने लगे हैं। पहले देश में नए आईटी नियम आने के बाद सरकार और ट्विटर के बीच नौकझौंक देखने को मिली थी। एक तरफ जहां, ट्विटर ने कहा था कि वह भारत के नियमों को नहीं मानता। हालांकि सरकार की सख्ती के बाद ट्विटर को नए आईटी नियमों का पालन करना पड़ा।

उत्सर्जन नियमों का नया चरण लागू करने का यह सही समय नहीं: मारुति सुजुकी

नई दिल्ली:

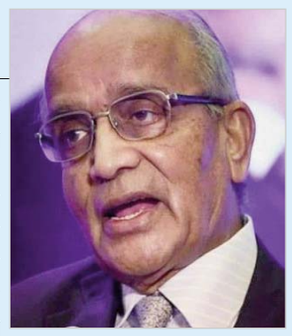

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने कहा है कि अगले साल से देश में उत्सर्जन नियमों का नया चरण लागू होने से वाहन कंपनियां कीमतें बढ़ाने के लिए बाध्य होंगी, जिससे पहले से ही गंभीर मंदी का सामना कर रहे उद्योग की बिक्री में और गिरावट आएगी। कंपनी ने यह भी कहा कि पिछले कुछ वर्षों में कारों की कीमतों में काफी वृद्धि हुई है जिससे लोगों के लिए नयी कारें खरीदना मुश्किल हो रहा है। एमएसआई के चेयरमैन आर सी भार्गव ने कहा, मुझे नहीं लगता कि सीएएफई (कॉरपोरेट औसत ईंधन दक्षता) नियमों के नए चरण को लागू करने का यह सही समय है।÷ वह सीएएफई नियमों के अगले चरण को लागू करने से वाहन उद्योग पर पड़ने वाले संभावित असर के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। भार्गन ने कहा, पिछले कुछ वर्षों से कारों की कीमतें बढ़ रही हैं। अब कीमतें इतनी बढ़ गई हैं कि लोग कार नहीं खरीद पा रहे हैं, इसलिए उद्योग की वृद्धि शून्य हो गई है। लागत को और बढ़ाने से, खासकर जब कोविड की अवधि के दौरान लोगों की आय नहीं बढ़ी है, उद्योग को और नुकसान होगा।÷ वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम ने भी सीएएफई चरण-2 नियमों को टालने की मांग की है। हालांकि सरकार ने इन मांगों को लेकर अब तक कुछ नहीं कहा है।

सेंसेक्स पहली बार 55,000 अंक के पार, निफ्टी का भी नया रिकॉर्ड

मुंबई,

देश के शेयर बाजारों में लगातार तेजी का रुख शुक्रवार को भी जारी रहा। अर्थव्यवस्था में सुधार दिखाई देने और वृद्धि को लेकर उम्मीदें बढ़ने से सेंसेक्स 593 अंक की ऊंची छलांग के साथ पहली बार 55,000 अंक के पार बंद हुआ। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक तथा एचडीएफसी के शेयरों में लिवाली से भी बाजार धारणा मजबूत हुई। हालांकि, फार्मा कंपनियों के शेयरों में गिरावट आई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स लगातार दूसरे दिन लाभ में रहा और यह 593.31 अंक या 1.08 प्रतिशत की ऊंची छलांग के साथ 55,437.29 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 55,487.79 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर को छुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी पहली बार 16,500 अंक के स्तर को पार कर गया। निफ्टी 164.70 अंक या 1.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ 16,529.10 अंक के नए रिकॉर्ड स्तरपर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान इसने 16,543.60 अंक का अपना सर्वकालिक उच्चस्तर भी छुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टीसीएस का शेयर सबसे अधिक 3.22 प्रतिशत ऊंचा रहा। लार्सन एंड टुब्रो, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, टाटा स्टील, बजाज ऑटो, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर पावरग्रिड, इंडसइंड बैंक, डॉ रेड्डीज, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी तथा टेक महिंद्रा के शेयर 1.28 प्रतिशत तक टूट गए। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 1,159.57 अंक या 2.13 प्रतिशत तथा निफ्टी 290.90 अंक या 1.79 प्रतिशत चढ़ा है। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, ''आईटी शेयरों में सतत सुधार तथा वित्तीय और उपभोक्ता क्षेत्र की कंपनियों में बढ़त से बाजार को मदद मिली और यह नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। अन्य एशियाई बाजारों में कमजोरी का रुख यहां धारणा को प्रभावित नहीं कर सका।'' जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''जुलाई की खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 5.59 प्रतिशत पर आ गई है जिससे निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। इसके अलावा औद्योगिक उत्पादन जून महीने में सालाना आधार पर 13.6 प्रतिशत बढ़ा है। इससे भी

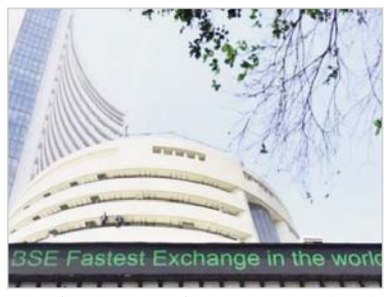

निवेशकों की धारणा को बल मिला।'' बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप 0.06 प्रतिशत के नुकसान के साथ बंद हुए। अन्य एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की तथा दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में गिरावट आई। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार सकारात्मक रुख में थे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 0.10 प्रतिशत टूटकर 71.24 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 74.24 प्रति डॉलर पर लगभग स्थिर बंद हुआ। शेयर बाजारों के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को शुद्ध रूप से 212.11 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

आईफोन 13 एक शानदार कैमरा सेटअप और बड़ी बैटरी के साथ सितंबर में होगा लॉन्च - रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

टेक दिग्गज एप्पल सितंबर में अपने आगामी आईफोन 13 लाइनअप के सभी चार मॉडलों को बड़ी बैटरी, अपडेटेड चिपसेट और विस्तारित एमएमवेव 5जी सपोर्ट के साथ पेश कर सकती है। एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। एप्पलइनसाइडर के अनुसार, अनुसंधान फर्म ट्रेंडफोर्स ने डिवाइस के लिए अपनी अपेक्षाओं को रेखांकित किया है। जिसके बारे में कहा गया है कि यह सितंबर की एक स्पेसिफिक रिलीज पर वापस आ जाएगी। नए मॉडलों से प्रेरित, शोध फर्म का मानना है कि 2021 की तीसरी तिमाही में कुल आईफोन शिपमेंट में साल-दर-साल 30 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। रिपोर्ट में उन कुछ विशेषताओं की भी रूपरेखा दी गई है जो ट्रेंडफोर्स को नए आईफोन 13 मॉडल पर उम्मीद है और वे काफी हद तक पिछली अफवाहों और रिपोटरें के अनुरूप हैं। इसके अतिरिक्त, अन्य रिपोटरें से पता चलता है कि आईफोन 13 एक नया 120हर्ट्ज़ प्रोमोशन डिस्प्ले और प्रोरेस वीडियो रिकॉर्डिंग जैसी अतिरिक्त पेशेवर कैमरा सुविधाओं

को सपोर्ट कर सकता है। जुलाई की एक रिपोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि आईफोन 13 प्रो मॉडल पैसिफिक ब्लू को कांस्य जैसे सनसेट गोल्ड रंग के लिए बदल देगा। हाल ही में, एक सर्वेक्षण से पता चला है कि 43.7 प्रतिशत आईफोन उपयोगकताओं ने कहा कि वे आईफोन 13 पर स्विच करने की योजना बना रहे हैं, जो पिछले साल एक सर्वेक्षण से आईफोन 12 की खरीद के इरादे की तुलना में 2.7 प्रतिशत अधिक है। जबकि 56.3 प्रतिशत ने खुलासा किया कि वे आगामी आईफोन रेंज में रुचि नहीं रखते हैं। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि उच्च रिफ्रेश रेट डिस्प्ले, अंडर-डिस्प्ले टच आईडी, ऑलवेज-ऑन डिस्प्ले और छोटे नॉच प्लस नॉच-लेस डिजाइन आईफोन 13 की सबसे रोमांचक अफवाह वाली विशेषताओं की सूची में 22 प्रतिशत, 18.2 प्रतिशत, क्रमश-10.9 प्रतिशत,16 प्रतिशत पर सबसे ऊपर हैं। एप्पल आमतौर पर सितंबर में नए आईफोन मॉडल का अनावरण करता है। 2020 में, मोटे तौर पर कोविड -19 महामारी के कारण, इसने अक्टूबर में आईफोन 12 लाइनअप लॉन्च किया था।

डॉलर के मुकाबले रुपया लगभग अपरिवर्तित रहा

मुंबई,

घरेलू शेयर बाजार में भारी तेजी को देखते हुए अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रुपया महज एक पैसे के सुधार के साथ 74.24 (अस्थायी) रुपये प्रति डालर पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि इसके अलावा, प्रतिस्पर्धी मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने तथा कच्चे तेल की कीमत में नरमी से भी रुपये की धारणा में सुधार आया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में कारोबार की शुरुआत में रुपया 74.27 पर कमजोर खुला तथा अधिकांश समय तक दबाव में रहा। हालांकि, सत्र के आखिरी दौर में रुपया गिरावट से काफी कुछ उबर गया। कारोबार के दौरान रुपया 74.24 के दिन के उच्च स्तर और 74.32 के निम्नतम स्तर को छूने के बाद अंत में पिछले दिन के बंद भाव के मुकाबले महज एक पैसे के सुधार के साथ 74.24 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। बृहस्पतिवार को रुपया 74.25 पर बंद हुआ था। घरेलू शेयर बाजार में 30 शेयरों पर आधारित बंबई शेयर सूचकांक शुक्रवार को 593.31 अंक की तेजी के साथ पहली बार 55,000 अंक के स्तर से ऊपर 55,437.29 अंक पर बंद हुआ।

वैश्विक क्रिप्टो बाजार 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया, बिटकॉइन एक बार फिर से बढ़ा

नई दिल्ली।

वैश्विक क्रिप्टोकरेंसी बाजार ने लगभग तीन महीनों में पहली बार 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने के बाद, उद्योग के खिलाड़ियों ने शुक्रवार को कहा कि मार्केट कैप में वृद्धि दुनिया भर में क्रिप्टो संपत्ति की व्यापक स्वीकृति को इंगित करती है, जिसमें इंडिया शामिल हैं।

बिटकॉइन ने एक बार फिर 46,000 डॉलर(एकल सिक्के के लिए 34 लाख रुपये से अधिक) का आंकड़ा पार कर लिया है। कॉइन मार्केट कैप के अनुसार, सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी 848 बिलियन डॉलर से अधिक के मार्केट कैप के साथ हरे रंग में कारोबार कर रही है। बाईकॉइन के सीईओ शिवम ठकराल ने कहा, दुनिया की सबसे पुरानी क्रिप्टोकरेंसी, बिटकॉइन में हाल ही में एक शानदार रैली देखी गई है और नवीनतम एथेरियम अपग्रेड, जिसे लंदन हार्ड फोर्क के रूप में भी जाना जाता है, उसने ईथर की कीमत को बढ़ाया है। क्रिप्टो संपत्तियां दुनिया भर के कई ब्रांडों के साथ क्रिप्टोक्यूरेंसी को भुगतान के रूप में स्वीकार करने के साथ मुख्यधारा बनने की ओर बढ़ रही हैं। ठकराल ने एक बयान में कहा, मौजूदा बुल मार्केट जारी रहने की उम्मीद है, और हम अत्यधिक आशावादी हैं कि बिटकॉइन इस साल के अंत तक 100,000 डॉलर तक पहुंच जाएगा।

भारत में, क्रिप्टोक्यूरेंसी एक्सचेंज वजीरएक्स ने देश के टियर 2 और 3 शहरों से उपयोगकर्ता साइनअप में बड़े पैमाने पर 2,648 प्रतिशत की वृद्धि देखी है, जो अपने शहरी समकक्षों की तुलना में छोटे शहरों की महिलाओं की उच्च भागीदारी को देखते हुए है। क्रिप्टोक्यूरेंसी एक्सचेंज में वर्तमान में 7.3 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ता हैं और अब तक 2021 में ट्रेडिंग वॉल्यूम में 21.8 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया हैं।

वजीरएक्स के सीईओ निश्चल शेट्टी ने कहा, क्रिप्टो में ग्रामीण भारत के लिए वित्तीय बाधाओं को दूर करने और पूंजी तक सस्ती पहुंच, अधिक ऑनलाइन नौकरियां प्रदान करने की अपार संभावनाएं हैं।

1.5 करोड़ से अधिक भारतीयों के पास 1,500 करोड़ रुपये से अधिक की क्रिप्टो संपत्ति है। उद्योग के विशेषज्ञों के अनुसार, क्रिप्टो 21वीं सदी का सबसे महत्वपूर्ण परिसंपत्ति वर्ग बन सकता है।

हुआवे को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए 5जी कैरियर बिज का आर एंड डी

नई दिल्ली।

उपभोक्ता पक्ष पर अमेरिकी प्रतिबंधों से बुरी तरह प्रभावित हुए है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, 5जी वाहक और उद्यम व्यवसाय अगले कई वर्षों में हुआवेई के समग्र विकास में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मार्केट रिसर्च फर्म स्ट्रैटेजी एनालिटिक्स ने कहा कि घरेलू बाजार में विस्तार और आरएंडडी निवेश हुआवेई की उत्तरजीविता योजना की नींव हो सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि वाहक व्यापार राजस्व भी 2021 की पहली छमाही में गिरा, चीनी वाहकों द्वारा आक्रामक 5जी नेटवर्क विस्तार से अगले कुछ वर्षों में हुआवे के प्रदर्शन को बढ़ावा देने की उम्मीद है। स्ट्रैटेजी एनालिटिक्स सर्विस प्रोवाइडर के निदेशक गुआंग यांग ने कहा, 2021 की पहली छमाही में चीन में धीमे 5जी रोलआउट ने हुआवे के कैरियर व्यवसाय के प्रदर्शन को प्रभावित किया। लेकिन चीनी ऑपरेटरों ने हाल ही में नए फ्रीक्वेंसी बैंड में 5जी परिनियोजन के एक नए दौर की शुरूआत की। यांग ने कहा, यह उम्मीद की जाती है कि तेजी से विस्तार करने वाला घरेलू बाजार अगले कुछ वर्षों में हुआवे के कैरियर व्यवसाय के लिए एक मजबूत विकास इंजन बना रहेगा। हुआवेई के व्यापक आईपीआर पोर्टफोलियो को उन बाजारों में दूरसंचार बुनियादी ढांचे में अपनी नेतृत्व की स्थिति को मजबूत करना चाहिए जहां इसकी बिक्री प्रतिबंधित नहीं है, और कंपनी को वैश्विक आईसीटी बाजारों में अपने व्यापार पदचिह्न का विस्तार करने में मदद करनी चाहिए। सू रुड, निदेशक नेटवर्क और रणनीति विश्लेषिकी में सेवा मंच में कहा,हुआवेई दूरसंचार में अपने उच्च स्तर के आर एंड डी निवेश को जारी रखने और अपने व्यापक आईपीआर पोर्टफोलियो का लाभ उठाने की योजना बना रहा है क्योंकि यह दुनिया भर में व्यापक आईसीटी बाजार में अपने व्यापार का विस्तार करने के लिए लंबे समय से स्थापित आईसीटी और क्लाउड सॉफ्टवेयर विशेषज्ञता का निर्माण करता है। रुड ने कहा, हुआवे को अपने शुरूआती 5जी पैमाने के लाभ और आईसीटी की ताकत का चीनी बाजार से आगे बढ़ने के लिए और अधिक दोहन करने की आवश्यकता होगी।

तमिलनाडु पावर सरप्लस वाला राज्य नहीं, 17,980 मेगावाट और बढ़ाएगा : वित्त मंत्री

चेन्नई।

तमिलनाडु को बिजली सरप्लस राज्य होने के पुरानी सरकार के बयानों को गलत बताते हुए, राज्य के वित्त मंत्री पलानीवेल थियागा राजन ने कहा कि अगले 10 वर्षों में 17,980 मेगावाट नई बिजली क्षमता बढ़ाई जाएगी।2021-22 के लिए बजट पेश करते हुए राजन ने कहा, लगभग 2,500 मेगावाट बिजली पावर एक्सचेंजों पर जरूरतों को पूरा करने के लिए खरीदी गई है। इस प्रकार, यह बयान कि तमिलनाडु पिछले कुछ वर्षों में बिजली अधिशेष राज्य बन गया है, गलत है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 32,646 मेगावाट है, जिसमें 13,128 मेगावाट की पवन और सौर क्षमता शामिल है, लेकिन अधिकतम आवश्यकता के दौरान बिजली की वास्तविक अधिकतम उपलब्धता 16,846 मेगावाट की ज्यादा मांग के मुकाबले केवल 14,351 मेगावाट है। अधिक आवश्यकताओं की पूर्ति न होने का मुख्य कारण यह है कि पवन ऊर्जा मौसमी होती है और सौर ऊर्जा केवल दिन में ही उपलब्ध होती है। राजन ने राज्य की बिजली कंपनियों को होने वाले वित्तीय नुकसान को टिकाऊ नहीं बताते हुए कहा कि एडीबी की सहायता से चेन्नई कन्याकुमारी इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (सीकेआईसी) पावर सेक्टर इन्वेस्टमेंट प्रोजेक्ट के तहत टैंजेडको और टैंट्रान्सको के शासन और वित्तीय पुनर्गठन का रणनीतिक अध्ययन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार बिजली उपयोगिताओं को सुधारने और उन्हें ढहने से बचाने के लिए अध्ययन के निष्कर्षों पर तेजी से काम करेगी।

माइक्रोसॉफ्ट ने विंडोज इनसाइडर्स के लिए अपडेटेड मेल, कैलेंडर ऐप्स को किया रोल आउट

सैन फ्रांसिस्को।

माइक्रोसॉफ्ट ने घोषणा की है कि उसने विंडोज 11 के हिस्से के रूप में शामिल कई ऐप के लिए अपडेट के पहले सेट को जारी किया है। मेल, कैलेंडर और कैलक्यूलेटर ऐप अपडेट सहित ऐप सबसे पहले देव चैनल में विंडोज इनसाइडर के लिए रोल आउट कर रहे हैं। विंडोज इनबॉक्स ऐप से जुड़े वरिष्ठ प्रोग्राम मैनेजर लीड, डेव ग्रोचोकी ने ब्लॉगपोस्ट में कहा,कैलक्यूलेटर ऐप में अब विंडोज 11 के लिए एक सुंदर नया रूप में है। इसमें एक नई ऐप थीम सेटिंग भी शामिल है, ताकि आप ऐप को विंडोज से अलग थीम में सेट कर सकें। इनके अलावा, कैलकुलेटर ऐप उपयोगी सुविधाओं से भरा हुआ है। ग्रोचोकी ने कहा कि यह आपके गणित के होमवर्क को पूरा करने, अपने वित्त का प्रबंधन करने, ग्राफ पर समीकरणों का विश्लेषण करने और बीजगणित, त्रिकोणमिति और जटिल गणित अभिव्यक्तियों का मूल्यांकन करने में आपकी मदद करने के लिए एकदम सही उपकरण है। विंडोज 11 में, क्लासिक स्निपिंग टूल और स्निप और स्केच ऐप दोनों को एक नए स्निपिंग टूल ऐप से बदल दिया गया है जो विंडोज के लिए स्क्रीन कैप्चर के अगले विकास में दोनों ऐप के सर्वश्रेष्ठ अनुभवों का प्रतिनिधित्व करता है। विंडोज 11 के लिए स्निपिंग टूल में नए विजुअल शामिल हैं जो अतिरिक्त कार्यक्षमता के साथ क्लासिक ऐप का निर्माण करते हैं, जैसे कि स्निप और स्केच से विन प्लस शिफ्ट प्लस एस कीबोर्ड शॉर्टकट और समृद्ध संपादन। कंपनी ने कहा कि वह स्निपिंग टूल के लिए एक नया सेटिंग पेज भी पेश कर रही है।विन प्लस शिफ्ट प्लस एस कीबोर्ड शॉर्टकट का उपयोग करके स्क्रीनशॉट लेना बहुत आसान है। यह स्निपिंग मेनू को रेक्टेंगुलर स्निप, फ्रीफॉर्म स्निप, विंडोज स्निप और फुलस्क्रीन स्निप सहित चुनने के विकल्पों के साथ लाएगा।मेल और कैलेंडर को नई विजुअल शैली के साथ अपडेट किया जाता है। ग्रोचोकी ने कहा, हमने उन्हें विंडोज 11 का हिस्सा बनाने और महसूस करने के लिए गोलाकार कोनों और अन्य समायोजन जोड़े हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंबई सिटी एफसी ने मिडफील्डर लालेंगमाविया के साथ करार की पुष्टि की

मुंबई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की गत विजेता मुंबई सिटी एफसी ने शुक्रवार को इस बात की पुष्टि की कि क्लब नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के साथ लालेंगमाविया को ट्रांस्फर करने के करार पर राजी हो गया। युवा मिडफील्डर ने पांच साल का करार किया है, जो मई 2026 तक चलेगा। लालेंगमाविया मिजोरम के एकमात्र खिलाड़ी थे जिन्होंने 2017 फीफा अंडर-17 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाई थी। उन्होंने अपने अभियान की शुरूआत हाईलैंडर्स से की थी। लालेंगमाविया ने 2020-21 के सीजन में नॉर्थईस्ट यूनाईटेड को सेमीफाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका अदा की थी। लालेंगमाविया ने अपने छोटे से करियर में एक मील का पत्थर स्थापित किया क्योंकि उन्होंने आईएसएल के इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन और एफपीएआई यंग प्लेयर ऑफ द सीजन 2020/21 नामित होने से पहले आईएसएल इतिहास में सबसे कम उम्र के कप्तान के रूप में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड का नेतृत्व किया है। लालेंगमाविया मुंबई सिटी के साथ जुड़ रहे हैं जहां उन पर खिताब बरकरार रखने की जिम्मेदारी होगी। लालेंगमाविया ने कहा, मैं नॉर्थईस्ट यूनाईटेड का धन्यवाद देता हूं जिन्होंने मुझे भारत में उच्च स्तर पर खेलने का अवसर प्रदान किया लेकिन अब मैं अपने करियर के अगले पढ़ाव के लिए तैयार हूं। मुंबई सिटी के साथ जुड़ने मेरे और मेरे परिवार के लिए बड़ा सम्मान है।

टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड ना जीतने पर लवलीना ने मांगी माफी, कहा- पेरिस से सोना लेकर लौटूंगी

गुवाहाटी।

टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने कहा कि वह 2024 में होने वाले पेरिस खेलों में स्वर्ण पदक के साथ देश लौटेंगी। असम सरकार द्वारा यहां आयोजित एक सम्मान समारोह के दौरान 23 वर्षीय ओलंपियन ने कहा, 'मैं लोगों से मुझे माफ करने की अपील करतह हूं क्योंकि मैं (टोक्यो ओलंपिक से) स्वर्ण पदक लेकर घर नहीं लौट सकह। लेकिन मुझे खुशी है कि मुझे देश के लिए मेडल (कांस्य) मिला है।' लवलीना ने कहा कि उन्होंने टोक्यो में पदक जीतने के बारे में कभी नहीं सोचा था, लेकिन लोगों और भगवान के आशीर्वाद ने उन्हें बहुत ताकत दी। इस मुक्केबाज ने आगे कहा, यह संघर्षों से भरी एक लंबी यात्रा थी जो गोलाघाट जिले के एक साधारण बारो मुखिया गांव से शुरू हुई थी। मैं यात्रा से कभी नहीं भागी, हालांकि यह हमेशा चुनौतीपूर्ण था। मैं अपने माता-पिता और अपने कोचों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देती हूं। मैं यह नहीं कर सकती कि उनके समर्थन के बिना यह सफलता हासिल की। लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज एम.सी. मैरी कॉम और टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू दोनों मणिपुर से हैं। लवलीना ने कहा, असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन जो जरूरी है। उन्होंने कहा, हमारे गांवों में बहुत प्रतिभा है। उन्हें यह महसूस करना चाहिए कि वे खेल के माध्यम से अपना करियर बना सकते हैं। माता-पिता और अभिभावकों को अपने बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि वे पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ खेलों में भाग ले सकें। लवलीना ने कहा, 'अगर हम खेलों को अपना करियर बना लें तो हम जीवन भर खुश रह सकते हैं।' असम सरकार ने लवलीना को पुलिस उपाधीक्षक पद के साथ-साथ 1 करोड़ रुपए के नकद इनाम की पेशकश की है। राज्य सरकार ने यह भी घोषणा की है कि गुवाहाटी में एक सड़क का नाम उनके नाम पर रखा जाएगा और 25 करोड़ रुपए की लागत से उनके विधानसभा क्षेत्र सरूपथर में एक खेल परिसर बनाया जाएगा।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में सम्मान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए घोषणा की कि राज्य सरकार अगले ओलंपिक तक मुक्केबाज को हर महीने 1 लाख रुपए देगी ताकि वह अच्छी तैयारी कर सके। उन्होंने कहा कि विश्व स्तर के मुक्केबाज के रूप में लोविलिना के विकास में मदद करने वाले पांच कोचों को उनके योगदान के लिए 10-10 लाख रुपए दिए जाएंगे। सरमा ने कहा, लवलीना की सफलता ने हर असमिया को गौरवान्वित किया है।

विनेश फोगाट ने WFI को लिखा- मैं शायद मैट पर वापसी नहीं करूंगी

नई दिल्ली ।

युवा पहलवान सोनम मलिक ने शुक्रवार को राष्ट्रीय महासंघ के नोटिस का जवाब देते हुए कहा कि वह दोबारा ऐसी गलती नहीं करेंगी जबकि विनेश फोगाट की भावनात्मक बातें भी खेल संस्था का रूख नरम नहीं कर सकीं। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने विनेश को टोक्यो ओलिम्पिक में अनुशासनहीनता के 3 मामलों के लिए मंगलवार को निलंबित कर दिया था और साथ ही 19 साल की सोनम को नोटिस जारी किया था जिन्होंने खेलों के लिए रवाना होने से पहले अपना पासपोर्ट लेने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) स्टाफ की मदद मांगी थी। महासंघ के सूत्र ने कहा कि सोनम ने नोटिस का जवाब दे दिया है और वादा किया है कि वह दोबारा ऐसा नहीं करेंगी। महासंघ जल्द ही इस मामले पर फैसला करेगा। विनेश ने डब्ल्यूएफआई से कहा कि वह टोक्यो ओलिम्पिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद मानसिक रूप से सदमे में हैं लेकिन ऐसा लगता है कि महासंघ इससे संतुष्ट नहीं है। विनेश ने लिखा कि वह शायद मैट पर वापसी ही नहीं करेंगी। सूत्र ने कहा कि महासंघ नोटिस पर जवाब का इंतजार कर रहा है। वह और सब क्या लिखती हैं, डब्ल्यूएफआई को इससे कोई लेना देना नहीं है। विनेश के पास डब्ल्यूएफआई का जवाब देने के लिए 16 अगस्त तक का समय है। महासंघ ने कहा था कि विनेश ने हंगरी से टोक्यो पहुंचने के बाद काफी नखरे दिखाए थे। विनेश ने अपने साथी खिलाडियों के साथ ठहरने से ही इनकार नहीं किया था बल्कि टूर्नामेंट के दौरान उनके साथ ट्रेनिंग भी नहीं की थी। साथ ही विनेश ने भारतीय दल के आधिकारिक प्रायोजक के बजाय निजी प्रायोजक के नाम का 'सिंगलेट' पहना था जिस कारण डब्ल्यूएफआई ने उन्हें निलंबित कर दिया था। विनेश को कई बार फोन किया गया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

महिला टेनिस : ओन्स जाबुएर ने बियांका को हराया

मॉन्ट्रियल। ट्यूनीशिया के ओन्स जाबुएर ने नेशनल बैंक ओपन में मौजूदा चैंपियन और वर्ल्ड नंबर 8 कनाडा की बियांका एंड्रीस्कु के खिलाफ 6-7 (5), 6-4, 6-1 की जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। गुरुवार शाम को खेले गए अन्य मैचों में चेक गणराज्य की नंबर-4 सीड कैरोलिना प्लिस्कोवा ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, उन्होंने यूएस की अमांडा अनिसिमोवा को 6-1, 7-6 (10) से हराया। जबकि उनकी हमवतन, नंबर 7 सीड पेट्रा क्वितोवा को अंतिम- 16 दौर में हार का सामना करना पड़ा। इटली की कैमिला जियोर्गी पेट्रा को बाहर करने वाली खिलाड़ी थीं। विश्व नंबर-71 ने 2012 के चैंपियन को एक घंटे 36 मिनट में 6-4, 6-4 से हराकर एक बड़ा उलेटफेर किया।

अनुराग ठाकुर ने 75 वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 लांच किया

नई दिल्ली।

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने 75 वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शुक्रवार को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 लांच किया। अनुराग ने दिल्ली के मेजर ध्यान चंद नेशनल स्टेडियम से फ्रीडम रन को हरी झंडी दिखाई। दिल्ली के अलावा देश के 75 अन्य स्थानों पर इस रन का आयोजन किया गया। अनुराग ने फिट इंडिया फ्रीडम रन में भाग लेकर न्यू इंडिया को फिट इंडिया बनाने की फिटनेस शपथ दिलाई। देश भर में विभिन्न स्थानों पर प्रतिभागियों के साथ बातचीत करते हुए, उन्होंने कहा कि भारत आजादी के 75 साल मना रहा है, फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फ्रीडम रन इवेंट देश को उनके राष्ट्रीय नायकों से भी जोड़ेगा जिन्होंने भारत को आजादी दिलाई। खेल मंत्री ने कहा कि अगले 25 वर्षों में हमारा देश कैसा आकार और दिशा लेगा, यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम कितने फिट हैं।

अनुराग ठाकुर ने प्रत्येक नागरिक से इस आंदोलन का हिस्सा बनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने सभी से फिट इंडिया को जनांदोलन बनाने का आह्वान किया है जो लोगों की भागीदारी से ही संभव है। मैं सभी से अपनी पसंद की जगह और गति चुनने और इस ऐतिहासिक आंदोलन का हिस्सा बनने का आग्रह करता हूं।

संक्षिप्त समाचार

धोनी के नेतृत्व में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम दुबई रवाना

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स की टीम महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में शुक्रवार को आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) रवाना हो गई। तीन बार की चैंपियन चेन्नई ने धोनी की एयरपोर्ट पर सूटकेस लेकर ब्लैक एंड व्हाइट फोटो शेयर की। चेन्नई ने ट्वीट कर कहा, गेट रेडी फोक्स। चेन्नई ने साथ ही सुरेश रैना, अंबाटी रायडू, रॉबिन उथप्पा, रुतुराज गायकवाड़, दीपक चाहर, करण शर्मा और केएम आसिफ की दुबई के लिए फ्लाइट पकड़ने के लिए एयरपोर्ट पर वेटिंग एरिया में बैठे फोटो पोस्ट की। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से गत 15 अगस्त को संन्यास लेने के बाद धोनी और रैना अब आईपीएल में खेलते ही नजर आते हैं। रैना हालांकि उत्तर प्रदेश के लिए सैयद मुश्ताक अली टी20 मैच में भी खेलते दिखे थे। चेन्नई की टीम का 19 सितंबर को दुबई में मुंबई इंडियंस से मुकाबला होगा। इससे पहले, मुंबई इंडियंस की टीम भी यूएई के लिए रवाना हुई। आईपीएल के दूसरे चरण का आयोजन यूएई में होगा। चेन्नई की टीम फिलहाल सात मैचों में 10 अंक लेकर अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है।

ला लीगा में विवाद, निवेश सौदे के खिलाफ रियल और बार्का ने किया वोट

मैड्रिड। ला लीगा क्लबों ने पूंजी निवेश कंपनी सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स के साथ 2.7 अरब यूरो के निवेश सौदे को मंजूरी देने के लिए मतदान किया है। इस समझौते के पक्ष में गुरुवार को 38 वोट पड़े जबकि कुल 42 में से चार क्लबों ने इसके खिलाफ मतदान किया। खिलाफ मतदान करने वालों में रियल मेड्रिड और एफसी बार्सिलोना प्रमुख हैं। इनके अलावा एथलेटिक क्लब बिलबाओ और रियल ओविएडो ने भी खिलाफ मतदान किया है। समझौता के तहत क्लबों को एक लंबी अवधि के ऋण के रूप में एक नकद धन प्राप्त होता है जिसे 40 साल की अवधि में वापस भुगतान किया जाना है, उस पैसे का 15 प्रतिशत मजदूरी और नए हस्ताक्षर और बाकी पर बुनियादी ढांचे, युवा प्रणालियों और महिला टीमों पर खर्च किया जा सकता है। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बदले में, सीवीसी को ला लीगा के सभी गैर-श्रव्य-संबंधी व्यवसाय से 11 प्रतिशत आय प्राप्त होगा और अगले 50 वर्षों के लिए दृश्य-श्रव्य व्यवसाय से 10 प्रतिशत राजस्व प्राप्त होगा। रियल मैड्रिड, बार्सिलोना, एथलेटिक क्लब और ओविएडो ने इस योजना से कोई भी पैसा न प्राप्त करने का विकल्प चुना है। इन क्लबों का मानना है कि यह सौदा उन्हें 50 वर्षों के लिए बंधक देगा।

उनमुक्त चंद ने बीसीसीआई क्रिकेट छोड़ा, अमेरिका के लिए खेल सकते हैं

नई दिल्ली।

भारत को 2012 में अपनी कप्तानी में अंडर-19 विश्व कप खिताब दिलाने वाले उनमुक्त चंद ने भारतीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है और वह अमेरिका के लिए खेल सकते हैं। उनमुक्त पिछले कुछ महीनों से अमेरिका में हैं और वह शायद 2023 की शुरूआत से मेजर लीग क्रिकेट का हिस्सा बन सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, इस साल विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली टी20 जैसे सीमित ओवरों के टूर्नामेंट में अपनी राज्य की टीम दिल्ली में जगह नहीं बना पाने के कारण उन्हें नए सिरे से देखने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्मुक्त का उत्तराखंड टीम के साथ 2019-20 का सीजन भी खास नहीं रहा था और उन्हें राज्य का साथ छोड़ 2020-21 के सीजन में दिल्ला के लिए भाग्य आजमाना पड़ा था। उत्तराखंड के लिए अपने पिछले छह मैचों में उन्होंने 144 रन बनाए थे। हालांकि, उन्मुक्त को 2020-21 के सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए दिल्ली के चयनकर्ताओं ने नहीं चुना था। लेकिन उन्हें विजय हजारे ट्रॉफी के लिए चुना गया था। हालांकि, वह एक मैच भी नहीं खेल सके थे। 28 वर्षीय बल्लेबाज उन भारतीय घरेलू खिलाड़ियों में शूमार हो सकते हैं जो अमेरिका शिफ्ट हो रहे हैं। उनसे पहले पंजाब के सनी सोहाल, सरबजीत लाडा और राजेश शर्मा तथा मुंबई के हरमीत सिंह, गुजरात के स्मित पटेल और दिल्ली के मिलिंग कुमार भी अमेरिका का रुख कर चुके हैं। हरमीत और पटेल उन्मुक्त के अंडर-19 टीम के साथ थे जिन्होंने विश्व कप जीता था। उन्मुक्त ने 2010 में डेब्यू किया था और 67 प्रथम श्रेणी मैच खेले जिसमें 31.57 के औसत से 3379 रन बनाए। लिस्ट ए के 120 मैचों में उन्होंने 41.33 के औशत से 4505 रन और 77 टी20 में 1565 रन बनाए।

नीरज के कोच क्लॉस ने तकनीक में 'स्थिरता' बनाए रखने की सलाह दी

नई दिल्ली । ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज का मानना है कि इस भाला फेंक खिलाड़ी ने अपनी तकनीक की अधिकांश कमियों को ठीक कर लिया है और अब उनकी कोशिश आने वाले वर्षों में अधिक से अधिक ऊंचाइयों को छूने के लिए तकनीकी 'स्थिरता' को बनाए रखने की होनी चाहिए। चोपड़ा ने एक सफल सर्जरी के बाद 2019 में बार्टोनिट्ज के साथ काम करना शुरू किया था। जर्मनी के इस बायो-मैकेनिक्स विशेषज्ञ ने कहा कि इस भारतीय युवा की तकनीक में कोई खामी नहीं है, लेकिन फिर भी उन पर ध्यान देने की जरूरत है। बार्टोनिट्ज ने कहा, 'मुझे शुरुआत में उनमें दौड़ने की गति, शरीर की सही स्थिति में 'ब्लाकिंग' (भाले को गति देने में अहम) और एक युवा ताकतवर एथलीट के रूप में थ्रो को 'जल्दी' फेंकने जैसी कुछ कमियाँ नजर आई थी। उनका फॉलो-थ्रू (भाला फेंकने के बाद शरीर की स्थिति) एक तरफ मुड़ने की जगह सीधा होना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'मैंने उसे समझाया तब उसने सही तरीके से समझना शुरू कर दिया। इसमें कुछ भी नाटकीय नहीं था। भाला फेंकने का कोण सही होना चाहिए, अगर आप आगे फेंकना चाहते हैं तो आपको हवा की गति को जानने की जरूरत है। हमें सुधार जारी रखने के लिए कदम से कदम मिलाकर चलना होगा।' उन्होंने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि हमने कुछ सुधार किए हैं। कमियां थीं लेकिन हमने उन्हें दूर कर लिया है।' यह पूछे जाने पर कि क्या अब कोई तकनीकी खामी नहीं है, बार्टोनिट्ज ने कहा, 'हमें हर समय तकनीक पर काम करना होगा, इसे जारी रखना होगा और इसे स्थिर बनाना होगा।' उन्होंने कहा, 'आप प्रशिक्षण के दौरान अच्छा कर सकते हैं लेकिन प्रतियोगिताओं के दौरान मानसिक स्थिति अलग होती है। अगर आप वही काम करना चाहते हैं जो आपने प्रशिक्षण के दौरान किया है, तो आपको (प्रतियोगिता के दौरान) एकाग्रता बनाए रखने के साथ आत्मविश्वास से भरा होना चाहिए।' जर्मनी के इस कोच ने कहा कि चोपड़ा के बारे में अच्छी बात यह है कि वह एक हरफनमौला एथलीट है क्योंकि वह स्प्रिंट (तेजी से दौड़ना), कूद और अन्य अभ्यासों को अच्छी तरह से कर सकता है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने 2019 में चोपड़ा को अपनी निगरानी में लिया तो उन्हें पता था कि हरियाणा के इस लड़के में दुनिया में शीर्ष भाला फेंकने वाला बनने का गुण है।

चेन्नईयिन एफसी ने युवा डिफेंडर देविंदर सिंह से करार किया

चेन्नई ।

दो बार की इंडियन सुपर लीग चैम्पियन चेन्नईयिन एफसी ने आगामी सत्र से पहले शुक्रवार को भारतीय डिफेंडर देविंदर सिंह से एक साल का करार किया। देविंदर (25 साल) 2018-19 चरण से पहले लगी घुटने की चोट कारण इंडियन सुपर लीग के पिछले तीन चरण में नहीं खेल पाये थे। जिससे वह वापसी के लिये बेताब होंगे। क्लब के सह मालिक विटा दानी ने कहा, ''भारतीय खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा जिम्मेदारी ले रहे हैं तो हम देविंदर जैसे खिलाड़ी को शामिल कर अपने डिफेंस विभाग को मजबूत करके खुश हैं।

योगेश्वर दत्त ने विनेश का समर्थन करते हुए कहा, वो उनका दिन नहीं था

नई दिल्ली।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त ने महिला पहलवान विनेश फोगाट का समर्थन करते हुए कहा है कि वो उनका दिन नहीं था। 23 वर्षीय पहलवान टोक्यो ओलंपिक में भारत की पदक उम्मीद में से एक थीं लेकिन वह पदक हासिल करने से चूक गई थीं, जिसके बाद उनकी चारों तरफ से आलोचना हो रही थी। इसके बाद भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने भी उन्हें भारतीय टीम के साथ ट्रेनिंग नहीं करने और ट्रनिंग के दिशानिर्देश नहीं मानने पर निलंबित किया था। निलंबन से दुखी विनेश ने कॉलम में लिख मानसिक स्वास्थ्य से जूझने के संघर्ष के बारे में बताया और कहा कि वह पूरी तरह से टूट चुकी हैं। इंडियन एक्सप्रेस के हवाले से उन्होंने कहा, हम खुशी मना रहे थे कि साइमन बाइल्स ने कहा है कि वह टोक्यो ओलंपिक में खेलने के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं है। आप बस इसे भारत में करके देखने की कोशिश करें। कश्ती से हटना तो भूल जाइए, बस यह कहकर देखिए कि आप तैयार नहीं हैं। मुझे नहीं पता मैं मैट पर कब वापसी करूंगी। शायद मैं नहीं कर पाऊं। अभी मेरा शरीर नहीं टूटा बल्कि मैं टूट गई हूं।योगेश्वर ने विनेश के समर्थन में कहा, मुझे लगता है कि हमें विनेश की उपलब्धियों का सम्मान करने की जरूरत है। वह अच्छी पहलवान हैं, लेकिन वो उनका दिन नहीं था। जीतना और हारना खेल का एक भाग है। जब हम जीत हासिल करते हैं तो गलती छुप जाती है जबकि हारने पर अच्छी चीजों को कोई याद नहीं रखता। सभी को यह याद रखना चाहिए कि कोई एथलीट हारना नहीं चाहता। विनेश के निलंबन के बारे में पूछे जाने पर पूर्व अंतरराष्ट्रीय पहलवान ने कहा कि महासंघ कभी किसी पहलवान की हानि नहीं करता। योगेश्वर ने कहा, ऐसा पहले भी हुआ है और मुझे नहीं लगता यब कोई बड़ा मामला है। उनके कुछ सवाल का जवाब मांगा गया है जो मुझे लगता है कि वह देंगी।

ओलंपिक पदक के बाद भारोत्तोलन में बढ़ी है लोगों की दिलचस्पी: मीराबाई

नयी दिल्ली. भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू का मानना है कि तोक्यो ओलंपिक में उनके रजत पदक जीतने के बाद इस खेल को लेकर लोगों में दिलचस्पी बढ़ी है, जिससे उन्हें उम्मीद है कि निकट भविष्य में और अधिक महिलाएं इस खेल में शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा करेंगी। मीराबाई ने शुक्रवार को यहां आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले महीने अपने इस कारनामे के बाद से उन्हें भारतीयों से जितना प्यार मिला है, उससे वह अभिभूत हैं। उन्होंने कहा, '' तोक्यो से पहले ऐसा नहीं था लेकिन मैं पहली बार भारोत्तोलन में काफी अधिक रुचि देख रही हूं। इससे मुझे विश्वास है कि अगले ओलंपिक में अधिक महिलाएं भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।'' उन्होंने कहा, '' यह खेल काफी हद तक ताकत से जुड़ा है लेकिन भारोत्तोलन और अन्य खेलों के बीच बहुत अंतर नहीं है। मैं देख रही हूं कि बहुत से युवा विशेष रूप से महिलाएं इस खेल में दिलचस्पी ले रही हैं।'' तोक्यो ओलंपिक में भारतीय महिलाओं का प्रदर्शन शानदार रहा। मीराबाई के अलावा पीवी सिंधू और लवलीना बोरगोहेन ने भी पदक जीते जबकि महिला हॉकी टीम और गोल्फर अदिति अशोक चौथे स्थान पर रहे। मीराबाई से जब महिलाओं के प्रदर्शन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''यह सब कड़ी मेहनत से जुड़ा है और महिलाएं भी उतनी ही मेहनत कर रही हैं। हम सब इसका परिणाम देख रहे हैं।'' उन्होंने कहा, '' जब से मैं वापस (तोक्यो से) आयी हूं, मुझे भारत के लोगों से ढेर सारा प्यार मिला है। यह मेरे लिए बहुत बड़ा क्षण है। भारत के लिए पदक जीतना किसी सपने के सच होने जैसा है।'' मीराबाई ने रियो 2016 में अपने निराशाजनक प्रदर्शन को याद किया और वापसी के बारे में बताया। उन्होंने कहा, ''मैंने रियो में पदार्पण (ओलंपिक) किया था। मैं वहां जीत नहीं सकी हालांकि मैंने उस समय भी तोक्यो इतनी कड़ी मेहनत की थी। रियो में मैं घबरा गयी थी और मुझे खाली हाथ लौटना पड़ा था। मैंने वापस आकर अपनी खामियों और तकनीक पर काम किया।''

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

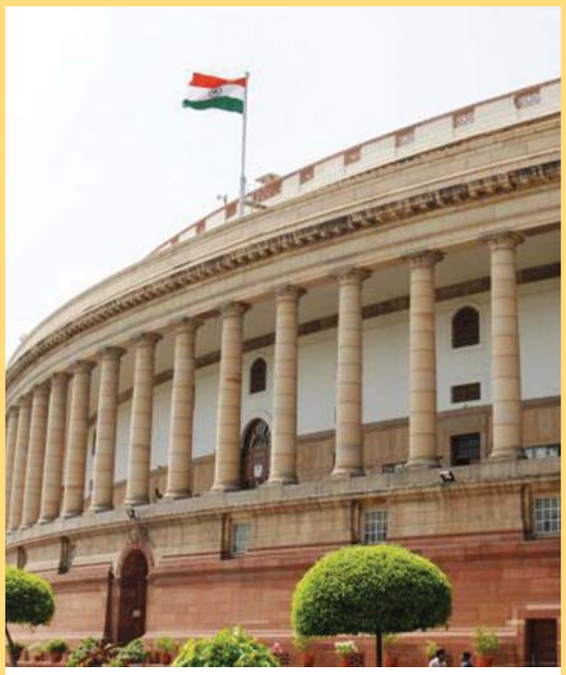

संसद और हमारा लोकतंत्र

सदन कोई एक पार्टी नहीं चलाती , वह सबका साझा मंच है। इसीलिए उसका महत्व सरकार से भी ज्यादा है। लेकिन संसदीय लोकतंत्र का इस्तेमाल हमारी राजनैतिक पार्टियां यह दिखाने के लिए कर रही हैं कि कौन उसको किस तरह से बंधक बनाए रख सकता है। जब विपक्ष सदन नहीं चलने देता और जब सत्ता पक्ष ध्वनि मत से अपने बिल पास कराता है , तो दोनों यही कर रहे होते हैं। सदन का काम विधायी है।

गनीमत है कि संसद कुछ घंटे तो चलती है। अन्यथा आए दिनलोकतंत्र का जो संसदीय नजारा विभिन्न टीवी चैनलों के माध्यम से जनता के सामने आता है , वह बहुत उत्साह नहीं जगाता। सदन में कैमरा घूमता है तो अक्सर कोई न कोई माननीय ऊंघते नजर आते हैं।कुछ सांसद सीट छोड़ कर उठ खड़े होने , शोर मचाने और वेल की तरफ बढ़ने के लिए ऐसे तत्पर दिखाई देते हैं , मानो उनकी इसी के लिए ड्यूटी लगाई गई हो। सरकार के वरिष्ठ मंत्री आते हैं तो अपना वक्तव्य देते समय इस कदर गफलत में होते है। सीमा पर शहीद हो रहे हैं जवानों के विषय में भी सही जानकारी नहीं देते और बाद में सही करते हैं। विपक्षी बोलते पत्रकारों से कहती हैं कि सदन इस्तेमाल हमारी राजनैतिक पार्टियां यह दिखाने के लिए कर रही हैं कि कौन उसको किस तरह से बंधक बनाए रख सकता है। जब विपक्ष सदन नहीं चलने देता और जब सत्ता पक्ष ध्वनि मत से अपने बिल पास कराता है , तो दोनों यही कर रहे होते हैं। सदन का काम विधायी है। वहां किसी मुद्दे पर ज्यादा से ज्यादा बहस होनी चाहिए। उसे विभिन्न दिशाओं से देखा - परखा जाना चाहिए। वहां किसी मुद्दे के उन पहलुओं पर भी विचार - विमर्श होना चाहिए , जिन पर किसी दूसरे मंच पर विचार करना संभव नहीं होता। उम्मीद की जाती है कि वहां नियम और नीतियां बनाने का काम होगा।

लेकिन देखने को मिलता है कि जोर नियम तोड़ने और नीतियों

कैसे चलेगा यह हम (यानी उनकी पार्टी) तय करते हैं। ऐसा दावा तो अपने बहुमत के बावजूद सरकार भी नहीं कर सकती। सदन कोई एक पार्टी नहीं चलाती , वह सबका साझा मंच है। इसीलिए उसका महत्व सरकार से भी ज्यादा है। लेकिन संसदीय लोकतंत्र का को बनने से रोकने पर है। दुनिया के अनेक देशों में संसदीय लोकतंत्र है। लेकिन जैसा दृश्य यहां दिखाई देता है , वैसा अन्यत्र कम ही दिखाई देता है। अमेरिका में रिपब्लिकंस और डेमोक्रैटस ने एक दूसरे को नीचा दिखाने के लिए कम राजनीति नहीं की।

कैसा होगा?

आपके सपनों का भारत

नशा आपसे स्वयं पर नियंत्रण छीन लेता है। आपकी सोचने-समझने की क्षमता को कमजोर कर देता है। जब आप नशे की हालत में होते हैं तब सही-गलत का अंतर भूल जाते हैं। खुद का भला भी नहीं सोच पाते फिर देश के लिए वक्त कहां से निकालेगें? अगर आप अपने आप को यूं बर्बाद कर रहे हैं तो यकीन जानिए कि आप देश को बर्बाद कर रहे हैं। हां, आप देश से प्यार नहीं कर रहे हैं।

फिर एक स्वतंत्रता दिवस। देश के प्रति अपनी भावनाएं अभिव्यक्त करने का दिवस। स्वयं पर स्वयं का शासन सेलीब्रेट करने का अवसर। हमारे यहां त्योहारों की विशाल श्रृंखला में राष्ट्रीय पर्व मनाने के कितने कम अवसर हैं फिर भी हम देश के प्रति अपना प्यार दर्शाने के लिए इन्हीं दो दिवस का इंतजार क्यों करते हैं?

थोड़ा ठहर कर सोचिएगा कि अपने ही देश को प्यार करना हमारे लिए इतना मुश्किल क्यों हैं? जाहिर है, देशभक्त युवाओं को यह बात स्वीकार नहीं होगी कि वे देश को प्यार नहीं करते। वे तो अपने वाहनों पर तिरंगा लहराते हैं, अपने मोबाइल में देशभक्ति की हैलो ट्यून लगवाते हैं,

स्क्रीनसेवर, वॉलपेपर,डेस्कटॉप, वेशभूषा सब तो देश के प्यार में रंगे होते हैं फिर कैसे मान लें कि हमें इस दिन की परवाह नहीं? हमें देश से प्यार नहीं? देशभक्ति को किसी पैमाने पर नहीं मापा जा सकता इसके लिए सचमुच दिल पर हाथ रखकर खुद को ही कुछ ईमानदार जवाब देने होंगे।

क्या आप नशा करते हैं?

अगर इस प्रश्न का उत्तर हां हैं तो माफ कीजिएगा आप अपने देश से प्यार नहीं करते। देश को सशक्त, संस्कारी और जोश से भरे युवाओं की आवश्यकता है। अगर आप नशे के शिकंजे में फंसे हैं तो चाहे दिल में आपके कितनी ही देशभक्ति लहरा रही हो लेकिन देश के वह किसी काम की नहीं। अपनी रचनात्मकता का आप दो प्रतिशत भी इस देश को नहीं देते हैं क्योंकि नशा आपको इस लायक छोड़ता ही नहीं है। नशा आपसे स्वयं पर नियंत्रण छीन लेता है। आपकी सोचने-समझने की क्षमता को कमजोर कर देता है। जब आप नशे की हालत में होते हैं तब सही-गलत का अंतर भूल जाते हैं। खुद का भला भी नहीं सोच पाते फिर देश के लिए वक्त कहां से निकालेगें? अगर आप अपने आप को यूं बर्बाद कर रहे हैं तो यकीन जानिए कि आप देश को बर्बाद कर रहे हैं। हां, आप देश से प्यार नहीं कर रहे हैं।

क्या आप महिलाओं का सम्मान करते हैं? बहने बेटियों को भी नहीं छोड़ा आपने?

अगर इस प्रश्न का उत्तर देने में आपको सोचना पड़ रहा है। सीधे-सादे प्रश्न को समझने में भी आपको वक्त लग रहा है तो अपने आपसे पूछिए कि क्या सचमुच आप देश को प्यार करते हैं। आप दोस्तों के साथ एकांत में लड़कियों को लेकर अश्लील टिप्पणी करते हैं, आप लड़कियों की नाजुक भावनाओं से खिलवाड़ करते हैं, आपने कितनी ही लड़कियों को अपने प्रेमजाल में फंसा कर छोड़ दिया है, आप नेट पर आपत्तिजनक साइट्स ढूंढते हैं, लड़कियां आपके लिए मौज-मस्ती का विषय है और सड़क चलते, बसों और अन्य जगहों पर आप उन पर फब्तियां कसते हैं तब तो आप इस देश में रहने लायक ही नहीं है। फिर आपकी दिखावे की देशभक्ति देश के किस काम की? यह देश सदियों से नारीत्व को सम्मान देने वाली गरिमामयी संस्कृति के लिए जाना जाता है अगर इस देश में रहकर आप नारी का किसी भी रूप में अपमान करते हैं तो आप इस देश से प्यार नहीं करते।

क्या आप सड़क पर गंदगी फैलाते हैं?

इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए आपको अपनी आदतों का निष्पक्ष मुआयना करना होगा। पैदल, सड़क चलते कार का दरवाजा खोलकर पान की पिक थूकते हैं, गंदी पोलिथीन, गुटखे के पाउच और सिगरेट के टुकड़े जहां-तहां फेंकते हैं। ऐतिहासिक स्थलों पर कोयले या चॉक से प्रेम का इजहार करते हैं, किसी भी दीवार को बाथरूम समझ लेते हैं, घर का कूड़ा दूसरों के घर के सामने छोड़ आते हैं तो खुद ही जवाब दीजिए कि ऐसा कैसा प्यार है साथ ही आपने अपने देश के सच्चे नागरिक होने का अधिकार खो दिया है। भ्रष्टाचार तमाम बुराइयों की जड़ है। लालच इस भ्रष्टाचार की जननी है। अगर आप किसी भी रूप में इस तरह के काम में शामिल हैं तो देश के लिए कितने ही ऊंचे स्वर में नारे लगा लीजिए सब खोखले हैं। आप अगर सचमुच अपने देश को प्यार करते हैं तो इसे भीतर से भी खूबसूरत बनाइए। कर्मों से ऐसे आदर्श रचिए कि भ्रष्टाचार का मूल समाप्त हो सके। एक अकेले अन्ना या किरण बेदी ही क्यों फिक्रमंद हैं देश में लोकपाल बिल लाने के लिए? हम-आप क्यों नहीं नहीं बनते उनकी ताकत? जब हम स्वयं भ्रष्टाचार से दूर होंगे तब ही तो उनका दिल खोलकर साथ दे पाएंगे।

क्या आप मक्कार हैं?

अगर आप अपने काम को बोझ समझते हैं, निरंतर सुधार और बेहतरी की और नहीं बढ़ते हैं तो कोई हक नहीं आपको देशप्रेम के गानों पर झूमने और नाचने का। अगर आप सिर्फ अपने बॉस को दिखाने के लिए काम करते हैं। उनकी अनुपस्थिति में आप कैंटिन की शोभा बढ़ाते हैं या दूसरी टेबलों पर गपियाना आपका प्रिय शगल है तो अप्रत्यक्ष रूप से आप अपने देश का नुकसान कर रहे हैं।

अपना तो खैर कर ही रहे हैं क्योंकि बेईमानी पहले इंसान को नीचे गिराती है बाद में दूसरों को हानि पहुंचाती है। जिस देश में मक्कारी और बेईमानी ने पैर फैला रखें हो वह तरक्की की राहों पर तेजी से कैसे बढ़ सकेगा? जब देश की तरक्की में आपका कोई योगदान नहीं तब आपका प्यार लेकर देश कैसे कामयाबी के परचम लहरा सकेगा?

कहने को इस तरह के प्रश्नों की लंबी फेहरिस्त है जिनके उत्तर आपको यह समझने में मददगार होंगे कि आपके मन में अपने देश के लिए कितना प्यार है। प्यार, महज आई लव माय इंडिया जैसे शब्दों से ही जाहिर नहीं होता बल्कि आपके व्यवहार, रूचि और कर्मों से अधिक दिखाई पड़ता है। इस स्वतंत्रता दिवस पर अपनी आदतों का मूल्यांकन करें और देश के लिए अच्छे इंसान बनने की पहल शुरू कीजिए।

अगर आप किसी भी रूप में इस तरह के काम में शामिल हैं तो देश के लिए कितने ही ऊंचे स्वर में नारे लगा लीजिए सब खोखले हैं। आप अगर सचमुच अपने देश को प्यार करते हैं तो इसे भीतर से भी खूबसूरत बनाइए। कर्मों से ऐसे आदर्श रचिए कि भ्रष्टाचार का मूल समाप्त हो सके। एक अकेले अन्ना या किरण बेदी ही क्यों फिक्रमंद हैं देश में लोकपाल बिल लाने के लिए? हम-आप क्यों नहीं नहीं बनते उनकी ताकत? जब हम स्वयं भ्रष्टाचार से दूर होंगे तब ही तो उनका दिल खोलकर साथ दे पाएंगे।

जमाने के हिसाब से चलना ही बेहतर

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात में लेवा जाति में हुआ। माना जाता है कि इस जाति के लोग भगवान राम के पुत्र लव के वंशज हैं। उनके पिता का नाम झवेर भाई और माता का नाम लाड़बाई था। आजादी की लड़ाई और फिर आजादी के बाद बनी सरकार में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह आजाद भारत के पहले उप प्रधानमंत्री थे। उन्हें देश की 550 से ज्यादा रियासतों को भारतीय गणराज्य में मिलाने के लिए जाना जाता है। 15 दिसंबर 1950 को उनका देहांत हो गया।

उनके द्वारा कही गईं कुछ प्रमुख बातें

- हमें आज का जमाना पहचान लेना चाहिए और जमाने को पहचानकर उसी के मुताबिक चलना चाहिए। जो शख्स समय नहीं पहचानता, उसे बाद में पछताना पड़ता है।
- कोई आदमी पत्थर को हीरा मानकर उसे लंबे वक्त तक रखे और संकट के वक्त उसे भुनाने जाए और फिर पछताए, तो इसमें पत्थर का क्या दोष? यह तो उस आदमी की समझ की कमी है।
- दुनिया जबर्दस्त स्कूल है। इसकी डिग्रियां जल्दी-जल्दी नहीं मिलतीं।
- आप बिल्कुल सच्ची बात कहें और खुशामद करना छोड़ दें, तो कई काम हो सकते हैं। अगर सामने कुछ कहें और पीछे कुछ और, तो कुछ नहीं हो सकता। इस तरह आत्मा की अधोगति होती है।
- शिक्षक के चरित्र का बड़ा प्रभाव पड़ता है, इसलिए शिक्षक को अपना जीवन निर्मल बनाना चाहिए।
- हम अपने धर्म का पालन करें, तो दुख भरे इस संसार में हम जरूर सुखी होंगे।
- जवानी जाते देर नहीं लगती और गई हुई जवानी कभी वापस नहीं आती। जो शख्स जवानी के एक-एक पल का इस्तेमाल करता है, वह कभी बूढ़ा नहीं होता।
- बोलने में कभी मर्यादा न छोड़ें। गालियां देना कायरों का काम है।
- लोगों के दिल सुंदर भाषणों से नहीं हिलाए जा सकते और अगर हिलाए भी जा सकते हैं, तो महज पल भर के लिए।
- शहरों में भूखे और बेकार लोग हों, तो वे उपद्रव की जड़ होते हैं। उन्हें बचाना चाहिए। ऐसे लोगों की मदद करनी चाहिए।
- हर स्टूडेंट को किसी एक विषय में संपूर्ण ज्ञान हासिल करना चाहिए। बाकी के विषयों में ज्ञान कम हो तो भी काम चल सकता है, पर सभी विषयों में अपूर्ण होने से काम नहीं चलता।
- अपनी बड़ाई गा-गाकर आदमी बड़ा नहीं हो सकता। इंसान का छोटापन या बड़प्पन उसके काम और व्यवहार से खुद ही जाहिर हो जाता है।

भारत का स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अनेक अध्याय हैं, जो 1857 की बगावत से लेकर जलियांवाला नर संहार तक, असहयोग आंदोलन से लेकर नमक सत्याग्रह तक और इसके अलावा अनेक से मिलकर बना है। भारत ने एक लंबी और कठिन यात्रा तय की जिसमें अनेक राष्ट्रीय और क्षेत्रीय अभियान शामिल हैं और इसमें दो मुख्य हथियार थे सत्य और अहिंसा।

हमारे आज़ादी के संघर्ष में भारत के राजनैतिक संगठनों का व्यापक वर्णक्रम, उनके दर्शन और अभियान शामिल हैं, जिन्हें केवल एक पवित्र उद्देश्य के लिए संगठित किया गया, ब्रिटिश उप निवेश प्राधिकार को समाप्त करना और एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ना। 14 अगस्त 1947 को सुबह 11.00 बजे संघटक सभा ने भारत की स्वतंत्रता का समारोह आरंभ किया, जिसे अधिकारों का हस्तांतरण किया गया था। जैसे ही मध्यरात्रि की घड़ी आई भारत ने अपनी स्वतंत्रता हासिल की और एक स्वतंत्र राष्ट्र बन गया। यह ऐसी घड़ी थी जब स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने नियति के साथ भेंट ट्रिस्ट विद डेस्टिनी नामक अपना प्रसिद्ध भाषण दिया।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

वायु सेना के एक अधिकारी ने अपने तीन साथियों को मारी गोली, फिर खुद की खुदकुशी

कुआलालंपुर। मलेशियाई वायु सेना के एक अधिकारी ने शुक्रवार को अपने तीन साथियों की गोली मारकर जान लेने के बाद खुदकुशी कर ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बोर्नियो द्वीप पर पूर्वी सरावक राज्य की पुलिस ने बताया कि राज्य में वायु सेना के एक केंद्र की सुरक्षा चौकी पर गोलीबारी की घटना घटी। वे मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस उपायुक्त मांचा अनक आटा ने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला कि बंदूकधारी अधिकारी ने इस घटना को अंजाम देने से पहले सुरक्षा चौकी से और हथियार ले लिए थे। उन्होंने कहा कि एक अधिकारी ने हमलावर अधिकारी को शांत करने का प्रयास किया लेकिन उसके पेट में गोली मार दी गयी। इसके बाद बंदूकधारी अधिकारी ने पोस्ट में घुसकर दो और अधिकारियों की गोली मारकर जान ले ली। बरनामा समाचार एजेंसी ने जिला पुलिस अधिकारी सुदीरमन क्राम के हवाले से कहा कि हमलावर अधिकारी ने सुरक्षा चौकी पर तैनात लोगों से पूछा कि ''वे जीना चाहते हैं या मरना चाहते हैं।'' स्थानीय मीडिया की खबर के अनुसार वह कोरोना वायरस संक्रमण के कारण पृथक-वास में था।

रूस में एक सिटी बस में जोरदार विस्फोट, एक की मौत; 15 लोग घायल

मॉस्को। दक्षिणपश्चिम रूस में एक सिटी बस में बृहस्पतिवार को विस्फोट होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा 15 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बस में विस्फोट गैस के एक कनस्तर में रिसाव होने की वजह से हुआ है। समाचार एजेंसी इंटरफैक्स के मुताबिक क्षेत्र के डिप्टी गवर्नर सर्गेई सोकोलोव ने आतंकवादी हमले की आशंका से इनकार किया। वोरोनेझ शहर के क्षेत्रीय स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि विस्फोट में 16 लोग घायल हुए थे जिनमें से एक की अस्पताल में मौत हो गई। देश की शीर्ष जांच एजेंसी 'इन्वेस्टिगेटिव कमिटी' ने आपराधिक जांच के लिए विशेषज्ञों का दल भेजा है।

ब्रिटेन के शहर में हुई गोलीबारी में संदिग्ध बंदूकधारी समेत छह लोगों की मौत: पुलिस

लंदन। दक्षिण पश्चिम इंग्लैंड की पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार को प्लाईमाउथ शहर में हुई 'गोलीबारी की गंभीर घटना' में संदिग्ध हमलावर समेत छह लोगों की मौत हुई है। हालांकि, पुलिस ने इसे आतंकवादी घटना नहीं बताया है। डेवोन और कोर्नवॉल पुलिस ने ट्विटर पर एक बयान में कहा कि हमले में घायल कई अन्य लोगों का इलाज चल रहा है। पुलिस ने इसे 'संकटमय घटना' घोषित किया है लेकिन शहर के कीहेम जिले में क्या हुआ, इसकी विस्तार से जानकारी नहीं दी है। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। प्लाईमाउथ से सांसद ल्यूक पोलार्ड ने ट्वीट किया, 'पुलिस ने प्लाईमाउथ के कीहेम में गोलीबारी में छह लोगों की मौत की पुष्टि की है। कई घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह बहत भयावह है।' हवाई एंबुलेंस और वरिष्ठ चिकित्सकों समेत आपातकालीन सेवाओं के कर्मी स्थानीय समयानुसार छह बजकर 10 मिनट पर हुई घटना के बाद मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि अधिकारियों को दो महिला और दो पुरुष मृत मिले।

फिलीपींस ने भारत समेत 9 अन्य देशों पर यात्रा प्रतिबंध बढ़ाया

मनीला। राष्ट्रपति के प्रवक्ता हैरी रोके ने शुक्रवार को कहा कि फिलीपींस ने भारत के अलावा नौ अन्य देशों से आने वाले सभी यात्रियों के लिए 31 अगस्त तक यात्रा प्रतिबंध बढ़ा दिया है क्योंकि कोविड -19 डेल्टा वेरिएंट के मामले पूरे दक्षिण पूर्व एशियाई देश में बढ़ रहे हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, डेल्टा वेरिएंट फिलीपींस में फैल गया है, जहां कोरोना के 11 मौतों सहित 627 मामले सामने आए हैं। भारत के अलावा जहां पहली बार डेल्टा वेरिएंट का पता चला था, फिलीपींस ने मलेशिया, थाईलैंड, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात के यात्रियों पर भी प्रतिबंध लगा दिया था। हालाँकि, देश अपने प्रत्यावर्तन कार्यक्रम के तहत विदेशी फिलिपिनो श्रमिकों को लौटने की अनुमति देता है, लेकिन आगमन पर उन्हें 14 दिनों के लिए आइसोलेट कर दिया जाएगा। फिलीपींस अत्यधिक पारगम्य डेल्टा वेरिएंट द्वारा ईंधन वाले कोविड -19 संक्रमणों से जूझ रहा है, जिसके चलते सरकार मेट्रो मनीला और अन्य क्षेत्रों में एक कठिन लॉकडाउन फिर से लागू कर सकती है। फिलीपींस में अब तक 29,539 मौतों के साथ 17 लाख से अधिक कोविड -19 मामलों की पुष्टि हुई है।

ऑकलैंड में हिंसा बढ़ी: न्यूजीलैंड पुलिस

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड पुलिस द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, ऑकलैंड शहर में पिछले डेढ़ साल में हिंसक गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है, जिसमें मई 2021 में कम से कम 232 हमले दर्ज किए गए हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल अब तक ऑकलैंड के सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट (सीबीडी) में 1,000 से ज्यादा लोगों पर हमला किया गया है, जिनमें से कई को अजनबियों ने बेतरतीब ढंग से मारा है। न्यूजीलैंड पुलिस ने यह भी कहा कि उत्तरी तट से लेकर दक्षिण में मनुकाउ तक लगभग सभी ऑकलैंड उपनगरों में हिंसक हमले, आग्नेयास्त्रों से जुड़े अपराध हुए हैं। हाल ही में यह बताया गया था कि दक्षिणी ऑकलैंड में हुई गोलीबारी की एक सिरीज में घरों को गोलियों से छलनी कर दिया गया है और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। अधिक गंभीरता से, हिंसा केवल जनता तक ही सीमित नहीं थी, पुलिस अधिकारियों पर भी आमतौर पर अपराधियों द्वारा हमला किया जाता था। ऑकलैंड सेंट्रल एरिया कमांडर इंस्पेक्टर गैरी डेवी ने स्थानीय मीडिया को बताया कि फिलहाल लगभग आठ पुलिस अधिकारी गंभीर रूप से चोटिल हैं।
ऑकलैंड के मेयर फिल गोफ का मानना था कि शहर में हिंसा की लहर ऑस्ट्रेलिया से सैकड़ों निर्वासित लोगों से संबंधित है।

भारतीय-अमेरिकियों ने भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न शुरू कर दिया

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

भारतीय मूल के हजारों अमेरिकियों ने भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस और देश के इतिहास की बड़ी उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए जल्दी ही समारोहों का आयोजन करना शुरू कर दिया है। न्यूयॉर्क में प्रसिद्ध टाइम्स स्क्वायर से लेकर यहां अमेरिकी कैपिटल और देशभर के कई गवर्नरों के घरों तक , भारत का 75वां गणतंत्र दिवस बड़े पैमाने पर मनाया जा रहा है। टाइम्स स्क्वायर में 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन्स' (एफआईए) रविवार को 'बिग एप्पल' में सबसे बड़ा तिरंगा फहराएगा।

एफआईए के अध्यक्ष अंकुर वैद्य ने पीटीआई-को बताया, ÷भारत में सभी 1.4 अरब लोगों के लिए यह ऐतिहासिक क्षण है। इस मौके का जश्न मनाने के लिए हम टाइम्स स्क्वायर पर सबसे बड़ा ध्वजफहराएंगे।÷ उन्होंने बताया कि यह 60 वर्ग फुट का झंडा है जो 25 फुट ऊंचे स्तंभ पर फहराया जाएगा। एंपायर स्टेट समेत अमेरिका में कई इमारतों को सप्ताहंत में तिरंगे से रौशन किया जाएगा जहां भारतीय-अमेरिकियों का एक और समूह हडसन नदी में एक नौका पर 75वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाएगा।

न्यू जर्सी में आईटी उद्यमी आलोक कुमार ने कहा, 'भारत इन 75 वर्षों में परिपक्व लोकतंत्र और वैश्विक शांति के स्तंभ के रूप में उभरा है। अमेरिका की एक उपराष्ट्रपति हैं जो भारतीय मूल की हैं।' वाशिंगटन डीसी के वर्जीनिया उपनगर में, सैकड़ों भारतीय-अमेरिकी एकत्र होकर फिल्मी सितारे अनुपम खेर के साथ और गायक सुखबीर सिंह की लाइव प्रस्तुति के साथ रविवार को स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे। मेरीलैंड और वर्जीनिया के शीर्ष नेता इसमें शामिल हो सकते हैं।

2013 के बाद से न्यूजीलैंड का शुद्ध प्रवास सबसे कम रहा

वैलिंगटन (एजेंसी)।

देश के सांख्यिकी विभाग ने शुक्रवार को कहा कि कोविड महामारी के मद्देनजर सीमा और यात्रा प्रतिबंधों की शुरूआत के कारण, जून 2021 को समाप्त वर्ष के लिए न्यूजीलैंड का शुद्ध प्रवासन लाभ 2013 के बाद से सबसे कम दर्ज किया गया। न्यूजीलैंड के अनुसार, जून 2021 को समाप्त वर्ष में 4,700 का अनंतिम शुद्ध प्रवासन लाभ अनुमानित 45,300 प्रवासी आगमन और 40,500 प्रवासी प्रस्थान से हुआ। जून के वर्षों के लिए, यह 1986 के बाद से प्रवासी आगमन की सबसे कम संख्या है और साल 1984 के बाद से प्रवासी प्रस्थान की सबसे कम संख्या है। न्यूजीलैंड के पॉपुलेशन इंडिकेशन मैनेजर, तहसीन इस्लाम ने कहा कि अप्रैल 2020 के बाद से मासिक प्रवासन कम रहा है, जिसका कारण मार्च 2020 से कोविड -19 सीमा और यात्रा प्रतिबंध की शुरूआत, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यात्रा करने की सीमित लोगों की क्षमता है, साथ ही प्रबंधित आइसोलेशन और क्वारंटाइन क्षमता की कमी है। न्यूजीलैंड के नागरिकों का लाभ मुख्य रूप से कम न्यूजीलैंड के नागरिकों के विदेशों में रहने के लिए प्रस्थान करने वालों के सापेक्ष है। इस्लाम ने कहा कि कोविड -19 के परिणामस्वरूप, इस देश को विदेशों में रहने के लिए छोड़ने वाले न्यूजीलैंड के नागरिकों की संख्या पिछले एक साल में काफी कम हो गई है, और बहुत कम गैर-न्यूजीलैंड नागरिक न्यूजीलैंड में रहने गए है।

ऑस्ट्रेलिया का वैक्स रोलआउट विश्व स्तर के मार्क पर: पीएम

कैनबरावॉशिंगटन (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने शुक्रवार को घोषणा की है कि देश में कोविड-19 वैक्सीन का रोलआउट एक खराब शुरूआत के बाद विश्व स्तर के मार्क पर आ रहा है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार तक, 25 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई वयस्कों को एक सप्ताह के बाद दो कोरोनोवायरस वैक्सीन खुराक मिली हैं, जिसमें लगभग 1.5 मिलियन खुराक दी गई हैं। मॉरिसन ने राष्ट्रीय मंत्रिमंडल में राज्य और क्षेत्र के नेताओं के साथ बैठक के बाद कहा, चार योग्य ऑस्ट्रेलियाई में से एक, चार में से एक को इस देश में पूरी तरह से टीका लगाया गया है। यह सिर्फ एक महीने पहले 11.6 प्रतिशत था। केवल चार दिनों में दस लाख खुराक दी गई हैं, यह एक असाधारण कोशिश है। देश के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) पॉल केली ने शुक्रवार को उसी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ऑस्ट्रेलिया 2020 की शुरूआत में शुरूआती लहर और दूसरी लहर के बाद महामारी की तीसरी लहर के बीच स्पष्ट रूप से था। 2020 के मध्य में देश का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला राज्य विक्टोरिया कोविड की चपेट में था। उन्होंने कहा, इस साल, हमने पूरे देश में 10,000 मामले देखे हैं और दुख की बात है कि 39 मौतें हुई हैं। उन मामलों में से अधिकांश और उनमें से अधिकांश मौतें न्यू साउथ वेल्स के प्रकोप से जुड़ी हैं, जो विशेष रूप से सिडनी में, बल्कि राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी एक चिंता का विषय है। ऑस्ट्रेलियाई राजधानी क्षेत्र (एसीटी) ने गुरुवार को समुदाय में 12 महीनों में अपना पहला कोरोनावायरस केस दर्ज करने के बाद सख्त प्रतिबंध लगा दिए। यह कैनबरा को एक और प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई शहर बनाता है जो वर्तमान में सिडनी और मेलबर्न में भी सख्त प्रतिबंधों के साथ लॉकडाउन के अधीन है।

तालिबान से टक्कर लेने को तैयार है सलीमा मज़ारी! बचे हिस्से को बचाने के लिए बनाई अपनी फौज

काबुल। (एजेंसी)।

जहां एक तरफ अफगानिस्तान के आधे से ज्यादा क्षेत्रों पर तालिबानियों का कब्जा हो रहा है वहीं उत्तरी अफ़ग़ानिस्तान के एक ग्रामीण ज़िले में सलीमा मज़ारी नामक महिला बैखोफ और बेपरवाह हंसते हुए नजर आ रही है। पुरुष प्रधान अफगानिस्तान में महिला जिला गवर्नर सलीमा मजारी एक मिशन पर निकली है। यह मिशन है तालिबानियों के खिलाफ लड़ाई के लिए पुरुषों की भर्ती कराना। जब से अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अमेरिका के सबसे लंबे युद्ध को समाप्त करने की घोषणा की है तभी से तालिबानियों का अफ़गानिस्तान के दो तिहाई से अधिक क्षेत्रों पर कब्जा हो गया है।

सलीमा मज़ारी

विद्रोही द्वारा कब्जा किए गए कई क्षेत्रों में लोगों का जीवन काफी बदल गया है लेकिन इकलौती महिला सलीमा मज़ारी जो कि तालिबानियों से लड़ने को तैयार बैठी है पहाड़ियों और घाटियों के बीहड़ जिले में अपना खुद का शासन चला रही है। मजीरा के मुताबिक, तालिबान वह है जो मानवाधिकारों को रौदतें हैं। आपको बता दें कि दोबारा से तालिबान का शासन आने से महिलाओं और लड़कियों को शिक्षा और रोजगार से वंचित कर दिया है।

एक मीडिया चैनल के खबर के मुताबिक, तालिबानी अपने लड़ाकों के लिए घर-घर जाकर महिलाओं को जबरन सेक्स गुलाम (ह्यद्ग× ह्यद्यड्ड1द्ग) बनाने में मजबूर किया जा रहा है। 12 साल की लड़कियों को सेक्स के लिए धकेला जा रहा है। मजारी जोकि हजारा समुदाय से ताल्लुक रखती है जिनमें ज्यादातर शिया मुसलमान शामिल हैं। बता दें कि आधा जिला मजारी का शासन पहले से ही तालिबान के नियंत्रण में है, इसलिए वह बाकी की रक्षा के लिए लड़ाकों की भर्ती में काफी समय बिताती है। किसानों, चरवाहों और मजदूरों समेत सैकड़ों स्थानीय लोग शामिल हो गए हैं।

एक अंग्रेजी अखबार के मुताबिक, मजारी ने कहा कि, हमारे लोगों के पास बंदूकें नहीं थीं, लेकिन उन्होंने जाकर अपनी गायों, भेड़ों और यहां तक ??कि अपनी जमीन को हथियार खरीदने के लिए बेच दिया।÷ हजारी दिन-रात काम करती हैं। बता दें कि मजारी के इलाकें में तालिबानी आने से घबराते है, इसको लेकर लोगों का मजारी को लोगों का समर्थन माना जाता है। मजारी ने अब तक जिले में लगभग 600 स्थानीय लोगों की भर्ती की है, जिसमें 53 वर्षीय सैयद मुनव्वर भी शामिल हैं, जिन्होंने 20 साल की खेती के बाद हथियार उठाए है।

श्रीलंका में तेजी से फैल रहा कोरोना वायरस का डेल्टा स्वरूप, मौतों की संख्या बढ़ी

कोलंबो। (एजेंसी)।

श्रीलंका में कोरोना वायरस का सबसे अधिक संक्रामक डेल्टा स्वरूप तेजी से फैल रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक देश के पश्चिमी प्रांत में आ रहे नए मामलों में करीब 75 प्रतिशत इसी स्वरूप के संक्रमण के हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि श्रीलंका कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई के सबसे निर्णायक पखवाड़े में है। देश में डेल्टा स्वरूप से संक्रमण के मामलों और मौतों में वृद्धि हुई है। श्री जयवर्धनेपुरा विश्वविद्यालय के डॉ.चंदिमा जीवानदारा ने कहा कि इस महीने की शुरुआत से पश्चिमी प्रांत में संक्रमण के जितने मरीज सामने आए उनमें से 75 प्रतिशत डेल्टा स्वरूप से संक्रमित हैं और देश सबसे निर्णायक पखवाड़े से गुजर रहा है।

उन्होंने कहा, ''अब हम इसके प्रभाव के छठे सप्ताह में प्रवेश कर गए हैं। यह अन्य स्वरूपों से अलग है। हम जानते हैं कि मौतों की संख्या बढ़ रही है। कल यह संख्या 150 के पार चली गई।'' उल्लेखनीय है कि बुधवार को श्रीलंका में कोविड-19 से रिकॉर्ड 156 लोगों की मौत दर्ज की गई जबकि करीब 3000 नए मामले आए। श्रीलंका कोरोना वायरस की महामारी की तीसरी लहर का सामना कर रहा है, यहां डेल्टा स्वरूप से संक्रमण का पहला मामला 17 जून को कोलंबो से आया था। जीवानदारा ने कहा कि बिना लक्षण वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। इस बीच, श्रीलंका सरकार ने चिकित्सा पेशवरों द्वारा पूर्ण लॉकडाउन लगाने की सलाह का विरोध किया है। सरकार की नीति टीकाकरण की संख्या बढ़ाकर देश को आर्थिक गतिविधियों के लिए खोलने की है। वहीं, विशेषज्ञों का कहना है कि अगर तीसरी लहर पर नियंत्रण नहीं पाया गया तो इस साल के अंत तक देश में करीब 20 हजार लोगों की जान जा सकती है।

संसदीय समिति ने ली पाकिस्तान में हुई हत्या की सूची

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में एक संसदीय समिति ने उन रिपोर्टें पर चिंता व्यक्त की है कि पिछले सप्ताह प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के एक पूर्व प्रवक्ता और द गार्जियन द्वारा संदर्भित हत्या सूची में कई सार्वजनिक हस्तियों के नाम सामने आए हैं।

कमेटी ने इमरान खान सरकार से इस मामले की जांच कराने की मांग की है। समिति की अध्यक्ष शाजिया मारी ने मामले को आगे बढ़ाने के लिए आंतरिक सचिव को पूर्व सीनेटरों फरहतुल्ला बाबर और अफरासियाब खट्टक के साथ जल्द बैठक करने का निर्देश दिया है। डॉन न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों सीनेटरों के नाम हिट लिस्ट में हैं। संयुक्त राष्ट्र के पांच निकायों ने 29 मई, 2019 को सरकार को एक संयुक्त पत्र में हत्या सूची का उल्लेख किया था। सीनेटर बाबर ने कहा, यही कारण है कि इसे हल्के में लेना बहुत गंभीर है। द गार्जियन अखबार ने कुछ दिनों पहले विदेश में रह रहे कुछ पाकिस्तानी असंतुष्टों द्वारा किए गए खात्मे की धमकियों के बारे में एक रिपोर्ट छापी थी।

बाबर ने कहा कि पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने तुरंत ऐसी किसी सूची के अस्तित्व से इनकार किया, लेकिन केवल इनकार करने से संदेह दूर नहीं हो सकता। खट्टक ने कहा कि स्थिति इतनी भयावह है कि कोई भी हिट लिस्ट में हो सकता है। मानवाधिकार मंत्री शिरीन मजारी ने कहा कि मामले की गहन जांच की जरूरत है। डॉन ने बताया कि समिति को टीटीपी के पूर्व प्रवक्ता एहसानुल्लाह एहसान का एक फेसबुक पोस्ट भेजा गया था, जिसमें उन्होंने पिछले महीने दावा किया था कि उन्हें कुछ व्यक्तियों को खत्म करने के लिए मृत्यु दस्ते का नेतृत्व करने के लिए कहा गया था। एहसान की पोस्ट के मुताबिक, हत्या की लिस्ट में पूर्व सीनेटर बाबर, खट्टक, सैयद आलम महसूद और मुफ्ती किफायतुल्लाह के नाम शामिल हैं। बाबर ने आगे कहा, एहसानुल्लाह एहसान कोई सामान्य व्यक्ति नहीं है। वह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के पूर्व प्रवक्ता हैं, जिन्होंने बाद में एक अलग समूह, जमात-उल-अहरार का गठन किया, दोनों को आतंकवादी संगठन के रूप में चिन्हित किया गया। उन्होंने पाकिस्तान में कई घातक हमले की जिम्मेदारी ली है।

पाकिस्तान में चीनी इंजीनियरों से सवार बस पर हमला, इमरान सरकार ने भारत और अफगानिस्तान को ठहराया जिम्मेदार

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि देश के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले महीने एक बस पर हुए आत्मघाती हमले के पीछे भारत और अफगानिस्तान का हाथ था। उल्लेखनीय है कि इस हमले में नौ चीनी इंजीनियर सहित 13 लोग मारे गये थे। यह हमला 14 जुलाई को ऊपरी कोहिस्तान जिले के दासु इलाके में हुआ था, जहां एक चीनी कंपनी सिंधु नदी पर 4,300 मेगावाट बिजली पैदा करने वाली पनबिजली परियोजना पर काम कर रही है।

बस जब चीनी इंजीनियरों और श्रमिकों को लेकर निर्माणधीन दासु बांध के स्थल पर जा रही थी तभी उसमें विस्फोट हो गया और गहरे नाले में गिर गई थी। जांच पूरी होने के बाद इस्लामाबाद में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि अफगान के भू-भाग का इस्तेमाल किया गया और हमले में इस्तेमाल किया गया वाहन अफगानिस्तान से तस्करी कर लाया गया था, इस जांच में चीनी विशेषज्ञों ने भी मदद की। उन्होंने हमला करने का आरोप भारतीय गुप्तचर एजेंसी रिसर्च ऐंड एनालिसिस विंग (रॉ) और अफगानिस्तान के नेशनल डायरेक्टरेट ऑफ सिक्युरिटी (एनडीएस) पर लगाया। कुरैशी ने आरोप लगाया कि इस घटना के पीछे दो एजेंसियों की सांठगांठ है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने 36 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जबकि जांच के दायरे में करीब 1400 किमी के इलाके को शामिल किया गया। पिछले महीने, पाकिस्तान ने आरोप लगाया था कि प्रतिबंधित आतंकी संगठन जमात उद दावा प्रमुख हाफिज सईद के आवास के पास 23 जून को हुए एक हमले का सूत्रधार एक भारतीय नागरिक था और वह रॉ से संबद्ध है। बाद में उसने दावा किया कि दासू विस्फोट और सईद के आवास के बाहर हुए विस्फोट के बीच एक तार जुड़ा हुआ है। भारत ने पाकिस्तान के इस दावे को बेबुनियाद दुष्प्रचार बताते हुए खारिज कर दिया था कि कराची और लाहौर में हुए कुछ हमलों के पीछे उसका (भारत) हाथ था। साथ ही, भारत ने इस्लामाबाद को पाकिस्तानी भू-भाग से उत्पन्न होने वाले आतंकवाद के खिलाफ विश्वसनीय और सत्यापित करने योग्य कार्रवाई करने को कहा था।

कुरैशी ने दावा किया कि पहला निशाना गिलगित बाल्टिस्तान में डाइमर-बाशा बांध स्थल था, लेकिन इसे निशाना बनाने में नाकाम रहने पर आतंकवादियों ने दासू परियोजना को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने हमले को अंजाम देने वालों का पता लगाया और वे लोग इससे जुड़े मिले। चीनी अधिकारियों ने घटना स्थल का दौरा किया और उन्हें जांच की अद्यतन जानकारी दी गई। चीन जांच से संतुष्ट है। प्रांत के आतंक रोधी विभाग के महानिदेशक जावेद इकबाल ने कहा कि आत्मघाती हमलावर की पहचान अफगान नागरिक खालिद उर्फ शख के तौर पर हुई है। इकबाल ने कहा कि हमले में 14 लोग शामिल थे, और समूह का नेतृत्व तारिक नाम का एक व्यक्ति कर रहा था, जो प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का सदस्य था। उन्होंने कहा कि इस हमले के लिए तारिक और मुआविया को एनडीएस और रॉ ने प्रशिक्षित किया था। उन्होंने कहा, ''हमने अब तक तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया है और अन्य की तलाश की जा रही है।''

विदेश कार्यालय ने कहा कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने घटना की गहन जांच की है और हर स्तर पर चीनी पक्ष के साथ निष्कर्ष साझा किया है। आतंकवादी हमले की साजिश अफगानिस्तान में रची गई थी। वाहन सहित अन्य सामग्री वहीं से मुहैया करायी गयी, जबकि आत्मघाती हमलावर को अफगानिस्तान में प्रशिक्षित किया गया था और हमले को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान लाया गया था।

सीरिया की 9 साल की लड़की ने तैयार की 12 फुट लंबी कठपुतली 'लिटिल अमाल', आठ देशों की सीमा को करेगी पार

सीरिया। (एजेंसी)।

सीरिया में 9 साल की एक लड़की ने 12 फुट लंबी एक कठपुतली तैयार की है जो कि तुर्की से ब्रिटेन तक 5000 मील की यात्रा पर निकली है। बता दें कि इस कठपुलती को लिटिल अमाल का नाम दिया गया है। यह यात्रा उन शरणर्थियों की कहानियों का प्रतीक बनेगा जिन्होंने सीरिया में हो रहे युद्ध के समय अपना घर छोड़ा। कई लोग इस लंबी यात्रा में अपने माता-पिता से जुदा हुए और अकेले ही यात्रा पर निकले को मजबूर हो जाते है। इस यात्रा में सबसे ज्यादा कठिनाई बाल शरणर्थियों को आती है और उनके सामने आने वाली कई कठिनाइयों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए इस कठपुतली को तैयार किया गया है। बता दें कि, लिटिल अमाल के नाम से यह कठपुतली आठ देशों की सीमा को पार करेगी। पहले तुर्की से ग्रीस, फिर इटली, फ्रांस, स्विटजरलैंड, जर्मनी, बेल्जियम और अंतिम में यूके जाएगी। बता दें कि इस कठपुतली की यात्रा नवंबर में मैनचेस्टर में खत्म हो जाएगी। एक अंग्रेजी अखबार में छपी खबर के मुताबिक, लिटिल अमल की यात्रा एक अनूठी कला परियोजना है जो, आशा लेकर आती है। इस यात्रा का मकसद शरणार्थियों के हालात को ठीक करने में मदद करेगी और समुदायों को एकजुट करेगी। इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार, 2019 में यूरोप में आने वाले गुप्त प्रवासियों और शरण करने वालों की कुल संख्या 123,920 थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात के पहले लवजिहाद केस में आया ट्वीस्ट, युवती ने पति की जमानत के लिए लगाई गुहार

क्रांति समय दैनिक

गुजरात में लवजिहाद कानून लागू होने के बाद दर्ज पहले मामले में बड़ा ट्वीस्ट सामने आया है। मुस्लिम युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने वाली युवती ने अब गुजरात हाईकोर्ट में अपने पति के खिलाफ के दर्ज केस रद्द कर उसे जमानत देने की मांग की है। 17 जून को वडोदरा की युवती ने शहर के गोत्री पुलिस थाने में एक मुस्लिम युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। युवती ने आरोप लगाया था कि युवक ने सोशल मीडिया पर अपना नाम मार्टिम सेम बताया था। धर्म छिपाकर उसके साथ दोस्ती की और बाद में कई दफा शारीरिक संबंध भी बनाए। उस दौरान युवक ने युवती की अश्लील तस्वीरें खींच ली और बाद में बहला फुसला कर उससे शादी कर ली। युवती ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया था कि उस पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव

डाला जा रहा था। हांलाकि बाद में युवती ने पति की जमानत के लिए हलफनामा दाखिल किया। लेकिन एफआईआर में लगाए गए आरोपों को देखते हुए वडोदरा कोर्ट ने युवक की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। अब युवती ने गुजरात हाईकोर्ट में अपने पति के खिलाफ दर्ज केस रद्द करने और उसे जमानत देने की मांग की है। बता दें कि विधर्मी युवकों द्वारा हिन्दू युवतियों को बहला फुसलाकर धर्म परिवर्तन की घटनाओं को रोकने के लिए गुजरात विधानसभा में पारित लवजिहाद (धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम) कानून राज्य में 15 जून 2021 से लागू हो चुकी है। कानून के लागू होने के दो दिन बाद ही वडोदरा में लवजिहाद का पहला मामला दर्ज हुआ था और अब उस मामले में नया मोड

राष्ट्रीय ऑटोमोबाइल स्क्रैपेज नीति लॉन्च, पीएम बोले- इससे ज्यादा रोजगार होंगे पैदा

क्रांति समय दैनिक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात इन्वेस्टर समिट को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया है। ये कार्यक्रम अहमदाबाद में आयोजित किया गया। इसमें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी शामिल हुए।पीएम मोदी ने कहा कि इससे देश में एक सकारात्मक परिवर्तन आएगा।प्रदूषण को कम करने के लिए केंद्र सरकार कई पहलुओं पर काम कर रही है। इस सिलसिले में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेराष्ट्रीय ऑटोमोबाइल स्क्रैपेज नीति लॉन्च की। इस दौरान पीएम मोदीने कहा कि स्क्रैपज नीति से आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। इन्वेस्टर समिट को संबोधित करते हुए कहा किस्क्रैपज नीति से 10 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा। उन्होंने कहा कि विकास को पर्यावरण के अनुकूल बनाना सरकार की प्राथमिकता है।देश की अर्थव्यवस्था के लिए मॉबिलिटी बड़ा फैक्टर है, आर्थिक विकास में ये काफी मददगार होगा।

पीएम मोदी ने कहा कि ऑटो-मेटल इंडस्ट्री को इस योजना से काफी मिलेगा और स्क्रैपिंग की फील्ड में काम करने वाले लोगों को फायदा होगा। इससे रोजगार भी पैदा होंगे। इंडस्ट्री वालों के पास आने वाले 25 साल के लिए आत्मनिर्भर भारत का खाका होना चाहिए। पीएम ने कहा कि इथेनॉल हो, हाइड्रोजन फ्यूल या फिर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, सरकार की इन प्राथमिकताओं के साथ इंडस्ट्री की सक्रिय भागीदारी बहुत जरूरी है।स्क्रैप करने वाली गाड़ी के लिए सर्टिफिकेट मिलेगा, नई गाड़ी

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

खरीदने पर रजिस्ट्रेशन के पैसे में छूट मिलेगी और रोड टैक्स पर भी छूट मिलेगी। उन्होंने कहा कि गाड़ियों को वैज्ञानिक तरीके से टेस्ट करने के बाद स्क्रैप किया जाएगा।इस सम्मेलन का आयोजन केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय और गुजरात सरकार द्वारा किया जा रहा है।इसमें निवेशक, उद्योग विशेषज्ञ, केंद्र और राज्य सरकार के संबंधित मंत्रालय शामिल हैं। सरकार संसद में स्क्रैप पॉलिसी की घोषणा पहले ही कर चुकी है । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट में स्क्रैप पॉलिसी का जिक्र कर चुकी हैं।

- क्या है स्क्रैप पॉलिसी ?

नई स्क्रैप पॉलिसी के तहत 15 और 20 साल पुराने वाहनों को कबाड़ में डाला जाएगाय व्यावसायिक वाहन के लिए 15 साल और निजी गाड़ी के लिए 20 साल का समय तय किया गया है। इसके बाद वाहनों को फिटनेस सेंटर ले जाना होगा। ऑटोमेटेड फिटनेस सेंटर का संचालन प्राइवेट कंपनियां करेंगी और इन्हीं निवेशकों को लुभाने के लिए शुक्रवार को समिट का आयोजन किया गया

चेकडेम में नहाने गई दो युवती और एक महिला की मौत, दो महिलाएं सुरक्षित

क्रांति समय दैनिक

राजकोट, राजकोट के कांगशियाली गांव स्थित चेकडेम दो युवती समेत पांच महिलाएं नहाने गई थीं। जहां पांचों को पानी में डूबते देख स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को घटना की सूचना दी। स्थानीय लोगों ने दो महिलाओं को बचा लिया। जबकि दो युवती समेत तीन की मौत हो गई। दुर्घटना मौत का मामला दर्ज कर पुलिस जांच रही है। जानकारी के मुताबिक राजकोट जिले के कांगशियाली गांव निवासी देवीपूजक परिवार की दो युवतियां समेत पांच महिलाएं स्थानीय चेकडेम में नहाने गई

थीं। चेकडेम में 18 वर्षीय कोमल, 24 वर्षीय सोनल और 35 वर्षीय मीढुरबेन समेत पांचों पानी में डूबने लगीं। आसपास के मौजूद लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड की घटना दी और पानी में डूब रही महिलाओं को बचाने की कोशिशें तेज कर दीं। फायर ब्रिगेड की टीम के मौके पर पहुंचने से पहले कोमल, सोनल और मीढुर की पानी में डूबकर मौत हो गई। दो महिलाओं को चेकडेम से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए और दुर्घटना मौत का मामल दर्ज कर जांच शुरूकी है।

सार-समाचार

राज्यपाल 15 अगस्त को राजभवन में करेंगे ध्वजारोहण

अहमदाबाद,75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत गांधीनगर स्थित राजभवन में ध्वजारोहण करेंगे। 15 अगस्त की सुबह 8 बजे राज्यपाल राजभवन में तिरंगे के सलामी देंगे। जिसके पश्चात राज्यपाल पौधरोपण भी करेंगे। इसी दिन शाम को 5 बजे राजभवन में राज्यपाल आचार्य देवव्रत की अध्यक्षता में स्नेह मिलन समारोह का भी आयोजन किया गया है। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त को जूनागढ़ में राज्यपाल आचार्य देवव्रत की अध्यक्षता में स्नेह मिलन समारोह होगा। बता दें कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के राज्यस्तरीय समारोह का आयोजन जूनागढ़ में किया गया है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी 15 अगस्त की सुबह जूनागढ़ में ध्वजारोहण करेंगे।

राज्य के 30 शिक्षकों को श्रेष्ठ शिक्षक पारितोषिक से सम्मानित किया जाएगा

अहमदाबाद,राज्य के प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, एच टाट और विशेष समेत 30 शिक्षकों को श्रेष्ठ शिक्षक पारितोषिक से सम्मानित किया जाएगा। शिक्षा क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्यवाही करने वाले शिक्षकों को राज्य सरकार की ओर से पारितोषिक से सम्मानित किया जाता है। वर्ष 2021 के लिए राज्य के 30 शिक्षकों की सूची जारी की गई है। जिसमें प्राथमिक विभाग के 11, माध्यमिक विभाग के 5, उच्च माध्यमिक विभाग के 2, माध्यमिक/उच्च माध्यमिक आचार्य स्तर के 6, एच टाट मुख्य शिक्षक 4 और विशेष शिक्षक स्तर के 2 शिक्षकों समेत कुल 30 शिक्षकों को श्रेष्ठ शिक्षक पारितोषिक 2021 से नवाजा जाएगा।

वडोदरा के 108 मंदिरों में अब लाउड स्पीकर सुनाएंगे हनुमान चालीसा

वडोदरा,गुजरात में अब अजान की भांति लाउड स्पीकर पर हनुमान चालीसा सुनाई देगी। वडोदरा शहर में एक अनोखा अभियान शुरूकिया गया है और यह पहल मिशन रामसेतु संगठन की ओर से की गई है। वडोदरा के कालाघोडा क्षेत्र के पंचमुखी हनुमान मंदिर में सावन महीने के परले सोमवार को लाउड स्पीकर का वितरण शुरूकिया गया। रामसेतु मिशन के अध्यक्ष दीप अग्रवाल ने बताया कि मंदिरों पर लाउड स्पीकर का उद्देश्य श्रद्धालुओं को घर बैठे हनुमान चालीसा, आरती और अन्य भक्ति संगीत का लाभ पहुंचाना है। कोरोना महामारी के चलते सरकारी गाइडलाइन के मुताबिक अनेक मंदिरों पर प्रतिबंध है। ऐसे में मंदिर नहीं जा पाने वाले श्रद्धालु घर बैठे हनुमान चालीसा और आरती का लाभ ले सकेंगे। दीप अग्रवाल के मुताबिक 78 मंदिरों ने लाउड स्पीकर पानेके लिए रजिस्ट्रेशन करवाया था। बुधवार से लाउड स्पीकर का वितरण किया जा रहा है। जिसमें बड़े मंदिरों को 2 और छोटे मंदिरों को 1 लाउड स्पीकर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले साल भी सावन महीने के दौरान मंदिरों को लाउड स्पीकर वितरित किए गए थे। सोशल मीडिया पर अनेक लोग मंदिरों पर लाउड स्पीकर लगाने का समर्थन कर रहे हैं और उनका कहना है कि देश के अन्य शहरों में भी ऐसी पहल होनी चाहिए।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

उत्तर प्रदेश में शराब पीने वाले लोगों की संख्या सबसे अधिक, दूसरे स्थान पर है पश्चिम बंगाल

कोलकाता। उत्तर प्रदेश के बाद शराब पीने वाले लोगों की संख्या के मामले में पश्चिम बंगाल दूसरे स्थान पर है। आर्थिक शोध एजेंसी इक्रियर तथा विधि परामर्शक कंपनी पीएलआर चैंबर्स के एक संयुक्त अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है। अध्ययन के अनुसार, पश्चिम बंगाल में करीब 14 करोड़ लोग ऐसे है, जो शराब पीते हैं। यह राज्य के तीन प्रमुख राजस्व कमाई वाले क्षेत्रों में है। अध्ययन में कहा गया है कि राज्य में मूल्य मॉडल में हाल में बदलाव किया गया है। इसे मुक्त बाजार से निचला एक्स-डिस्टिलरी मूल्य (ईडीपी) किया गया है। शराब पर करों में बढ़ोतरी हुई है जो उद्योग के लिए एक प्रमुख चिंता की वजह है। अध्ययन में कहा गया है कि खुदरा कीमतों में भारी बढ़ोतरी से राज्य में देश में बनी विदेशी शराब (आईएमएफएल) की बिक्री में उल्लेखनीय गिरावट आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गणना का तरीका हालांकि निचला ईडीपी है, लेकिन आबकारी शुल्क बढ़ा दिया गया है। मूल्य में बदलाव पर उपभोक्ताओं प्रतिक्रिया के लिहाज से इस मुद्दे की समीक्षा करने की जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अल्कोहलिक पेय के मामले में दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता बाजार है। 2020 में इस बाजार का आकार 52.5 अरब डॉलर था। शराब के बाजार में 2020 से 2023 के दौरान सालाना 6.8 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। देश में 2015-16 से 2018-19 के दौरान शराब का उत्पादन करीब 23.8 प्रतिशत बढ़ा है। अध्ययन में कहा गया है कि क्षेत्र ने करीब 15 लाख लोगों को रोजगार दिया है। 2019 में इस क्षेत्र का बिक्री कारोबार 48.8 अरब डॉलर था।

स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कई कार्यक्रमों की शुरुआत की

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को कई कार्यक्रमों की ऑनलाइन शुरुआत की। उन्होंने एक भाषण में कहा, ''ऐसे कार्यक्रमों से न केवल राष्ट्रीय चेतना जागृत होती है बल्कि देश का स्वाभिमान भी बढ़ता है।'' एक कार्यक्रम सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के लिए शुरू किया गया है जिसकी 75 टीमें शुक्रवार को देश के 75 सुदूर सीमावर्ती क्षेत्रों के लिए रवाना होंगी जहां वे 15 अगस्त को झंडा फहराएंगे। भारतीय तटरक्षक बल 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत पूरे देश में सौ द्वीपों पर राष्ट्रीय झंडा फहराएगा।

पांच सदी बाद रामलला चांदी के झूले पर विराजमान, 22 अगस्त तक चलेगा झूलनोत्सव

लखनऊ। प्रभु श्रीराम अपनी जन्मस्थली अयोध्या में कल बाल स्वरूप अवतार में करीब पांच सदी के बाद चांदी के झूला पर विराजमान हो गए। राम जन्मभूमि परिसर में लम्बे समय से अस्थाई गर्भ ग्रह में विराजमान रामलला को गत दिवस नवनिर्मित रजत हिंडोले पर आसीन कराया गया। रामलला रक्षाबंधन तक इसी चांदी के हिंडोले पर विराजमान रहेंगे और उन्हें झूला झुलाया जाएगा। श्रीराम तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट ने अयोध्या में रामलला के लिए चांदी का झूला तैयार कराया था। सावन शुक्ल पंचमी तिथि के हिसाब से शुक्रवार को वैकल्पिक गर्भगृह में उनका झूला पड़ गया। जिस पर रामलला सहित चारों भाइयों का विग्रह स्थापित कर झुलाया जा रहा है। रामलला का झूलनोत्सव 22 अगस्त तक चलेगा। रामलला को पहले से ही प्रत्येक वर्ष सावन शुक्ल पक्ष की पंचमी से लेकर पूर्णिमा तक झूले पर झुलाया जाता रहा है, किंतु वह झूला लकड़ी का था। इस बार रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रामलला की गरिमा के अनुरूप चांदी का झूला तैयार कराया है। रामलला के मुख्य अर्चक आचार्य सत्येंद्रदास के अनुसार विशेष पूजन के बाद रामलला सहित चारों भाइयों के विग्रह को झूले पर स्थापित किया गया।

बोम्मई ने केरल सीमा चौकियों का दौरा रद्द किया

मंगलुरू (कर्नाटक)। बसवराज बोम्मई ने शुक्रवार को दक्षिण कन्नड़ जिले में केरल की सीमाओं के पास चेक प्वाइंट्स का दौरा रद्द कर दिया। खुफिया सूचना मिली थी कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री को आसपास के राज्य के लोगों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। आधिकारिक यात्रा कार्यक्रम के अनुसार बोम्मई शुक्रवार सुबह इन चेक पोस्टों का निरीक्षण करने वाले थे। हालांकि, कार्यक्रम रद्द कर दिया गया और बोम्मई उडुपी में अपना दौरा समाप्त करने के बाद बेंगलुरु लौट आएंगे। विभाग के सूत्रों ने बताया कि कर्नाटक सरकार द्वारा केरल की सीमा के पास कासरगोड जिले से कर्नाटक के लोगों की आवाजाही पर सख्त प्रतिबंध लगाने के बाद से लोगों में काफी रोष है। कासरगोड जिले के लोग जिले को कर्नाटक राज्य में विलय करने की मांग कर रहे हैं। ये लोग दक्षिण कन्नड़ की समान संस्कृति को साझा करते हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यवसाय और अन्य उद्देश्यों के लिए जिला मुख्यालय, तटीय शहर मंगलुरु पर निर्भर हैं।

जाम्बिया ने मतदान के दिन व्हाट्सएप, ट्विटर पर प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भारत सहित कई देशों में अधिक जांच का सामना कर रहे हैं, अब जाम्बिया ने भी शुक्रवार को आम चुनाव के दिन व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और मैसेंजर के उपयोग को प्रतिबंधित कर दिया है। देश के कई यूजर्स ने ट्विटर पर यह जानकारी दी कि आज चल रहे आम चुनावों के बीच व्हाट्सएप को प्रतिबंधित कर दिया गया है। इंटरनेट मॉनिटरिंग फर्म नेटब्लॉक्स ने ट्वीट किया कि जाम्बिया ने विभिन्न सोशल मैसेजिंग प्लेटफॉर्म तक पहुंच को प्रतिबंधित कर दिया है।

भाजपा का बयान, राहुल सिर्फ ट्विटर पर सक्रिय थे, वहां से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी के ट्विटर अकाउंट को नियमों के उल्लंघन के आरोप में अस्थायी रूप से बंद (लॉक) किये जाने को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर निशाना साधा और कहा कि यही वह एकमात्र जगह थी, जहां वह सक्रिय थे लेकिन उन्हें अब वहां से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में भाजपा सांसद व पार्टी की युवा इकाई भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने कहा कि राहुल गांधी को अपना ट्विटर अकाउंट बहाल करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए नये सोशल मीडिया नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह वही कांग्रेस है जिसने सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को ''सशक्त'' बनाने के लिए बनाए गए नए नियमों का विरोध किया था और सरकार पर हमले किए थे।

सूर्या ने कहा कि एक बलात्कार पीड़िता के परिवार के सदस्यों की तस्वीर ट्वीट करने के बाद राहुल गांधी अभिव्यक्ति की आजादी के तर्क की आड़ नहीं ले सकते। दिल्ली में नौ साल की पीड़िता की बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। उन्होंने जो किया वह ''असभ्य, अवैध और अमानवीय'' था। कानून परिवार का पता और विस्तृत जानकारी सहित बलात्कार पीड़िता की पहचान सार्वजनिक करने की इजाजत नहीं देता है। इसे ही मुद्दा बनाकर भाजपा राहुल गांधी को कटघरे में खड़ा कर रही है। हालांकि, कांग्रेस ने तर्क दिया है राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग और भाजपा के एक सांसद ने भी परिवार की तस्वीर साझा की थी। सूर्या ने कहा कि सवाल यह है कि राहुल गांधी ने पीड़िता की पहचान सार्वजनिक की है और कानून ऐसा करने की इजाजत नहीं देता। उन्होंने कहा, ''वह सिर्फ ट्विटर पर सक्रिय थे और अब उन्हें वहां से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है।'' उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस को अपने अकाउंट बहाल करने के लिए मोदी सरकार द्वारा लाए गए नए नियमों का पालन करना चाहिए।

राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने कहा, ''डिजनी की दुनिया के राजकुमार राहुल गांधी को अपनी गंदी राजनीति के लिए पीड़िता की पहचान सार्वजनिक नहीं करनी चाहिए थी। उन्हें समझना चाहिए यह वास्तविक दुनिया है। डिजनी की दुनिया नहीं है।'' राहुल गांधी ने शुक्रवार को इस माइक्रोब्लॉगिंग मंच पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि यह अमेरिकी कंपनी पक्षपातपूर्ण है, यह भारत की राजनीतिक प्रक्रिया में दखल दे रही है तथा सरकार के कहे मुताबिक चल रही है। उन्होंने यह दावा भी किया कि ट्विटर की ओर से जो किया गया है, वह भारत के लोकतांत्रिक ढांचे पर हमला है। उल्लेखनीय है कि ट्विटर ने राहुल गांधी, कांग्रेस और पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं के ट्विटर अकाउंट अस्थायी रूप से बंद कर दिये हैं। कुछ दिनों पहले ही दिल्ली में कथित दुष्कर्म एवं हत्या की पीड़िता नौ वर्षीय बच्ची के माता-पिता से मुलाकात की तस्वीर साझा करने को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का ट्विटर अकाउंट बंद किया गया था। दूसरी तरफ, ट्विटर ने कहा है कि उसने ये कदम नियमों के तहत उठाए हैं।

15 अगस्त को लेकर हाई अलर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां, आतंकवादी हमले की आशंका

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर राजधानी दिल्ली से लेकर जम्मू-कश्मीर तक में आतंकवादियों को लेकर अलर्ट जारी है। इसी बीच दिल्ली के अफसरों ने उच्चस्तरीय बैठक की है। इसके अलावा राजधानी में तलाशी अभियान भी चलाया जा रहा है। दरअसल, जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों ने 2 आतंकवादियों को ढेर किया है। जिसके पास से एक-47, मैगजीन, आरपीजी-7 लॉन्चर और ग्रेनेड मिला है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) की तरफ से आतंकवादी घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि 6 लश्कर और 5 जैश के आतंकवादी भारत में घुसपैठ करने की फिराक में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 15 अगस्त के मौके पर आतंकी हमले की आशंका के बीच सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक घुसपैठ की कोशिश कर रहे आतंकवादियों ने पहले ही हथियार और आईईडी भारत में पहुंचा दिया है। कहा जा रहा है कि आतंकवादी इस बार आईईडी की नई तकनीकि का इस्तेमाल करने वाले हैं। इसी बीच जम्मू-कश्मीर के सोपोर में एसबीआई शाखा के पास सुरक्षाबलों को निशाना बनाया और ग्रेनेड हमला किया।

बीजेपी युवा मोर्चा का बड़ा प्लान, राष्ट्रगान कार्यक्रम में भाग लेंगे 10 लाख से ज्यादा युवा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत भारतीय जनता युवा मोर्चा ने 15 अगस्त 2021 से पूरे वर्ष चलने वाले कार्यक्रमों की रुपरेखा बनाई है। स्वतन्त्रता दिवस पर राष्ट्रगान समर्पण अभियान में 10 लाख से अधिक युवाओं के प्रतिभाग करने की संभावना है। यह जानकारी देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने बताया कि 15 अगस्त 2021 से 15 अगस्त 2022 तक देशभर में युवाओं को प्रेरित करने के लिए और युवाओं के मन में देशभक्ति, राष्ट्र श्रद्धा, देश और धर्म के बारे में श्रद्धा बनाने का काम, नए भारत के निर्माण का काम आगे बढ़ाने के लिए बहुत कार्यक्रमों की रचना युवा मोर्चा ने की है। उन्होंने बताया कि युवा मोर्चा का प्रयास ये होगा कि पूरे देश में 15 अगस्त को सुबह 7.50 मिनट पर बड़ी संख्या में देश के युवा सामूहिक राष्ट्रगान का समर्पण करें, इस माध्यम से पूरे देश में राष्ट्रभक्ति की सकारात्मक भावना बनाएं। तेजस्वी सूर्या के मुताबिक देश में लगभग हर जिले में, 13,350 संगठनात्मक मंडलों में सामूहिक राष्ट्रगान के समर्पण का कार्यक्रम युवा मोर्चा की तरफ से 15 अगस्त को शुरू हो रहा है। 15, 16 और 17 अगस्त को देश के 75 स्थानों पर 75 किमी की मैराथॉन व साइकिल रैली का आयोजन भी युवा मोर्चा की तरफ से हो रहा है।

ओबीसी आरक्षण पर बीजेपी ने कांग्रेस को ठहराया दोषी, कहा - बड़े से बड़ा वकील करेंगे खड़ा

भोपाल। (एजेंसी)।

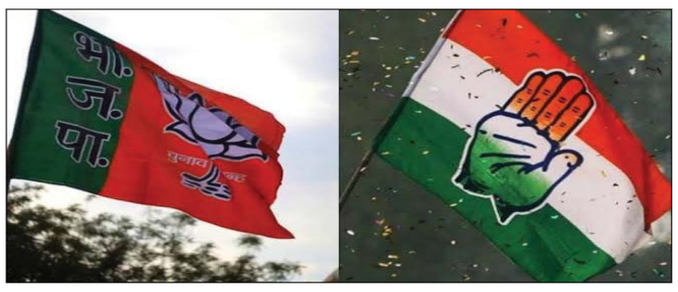

मध्य प्रदेश में चल रहें ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण के मामले सियासत गरमाई हुई है। बीजेपी और कांग्रेस एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा रहे हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने मामले में कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पिछड़ा वर्ग हितैषी होने का दिखावा करती है। वहीं चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने भी ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस और कमलनाथ पर सवाल उठाए हैं।

वी डी शर्मा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस 65 साल तक देश में सत्ता में रही। फिर भी ओबीसी वर्ग को उचित सम्मान नहीं मिला। केंद्र में कांग्रेस सरकार ने पिछड़ा वर्ग कमीशन को संवैधानिक दर्जा नहीं दिया। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस ने जानबूझकर विधानसभा से लोकसभा तक में गतिरोध उत्पन्न किया।

उन्होंने कहा कि 27 फीसदी आरक्षण के लिए सरकार बड़े से बड़ा वकील हाईकोर्ट में खड़ा करेगी। वहीं कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के ट्विटर अकाउंट के ब्लॉक होने पर उन्होंने राहुल गांधी को आत्मचिंतन की सलाह दी है।

वहीं प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने भी कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस और कमलनाथ ने ओबीसी मामले पर कोर्ट में लड़ाई क्यों नही लड़ी? कांग्रेस ने क्यों किसी वकील को खड़ा नहीं किया। कांग्रेस का अब घड़ियाली आंसू बहाने से काम नहीं चलेगा। बीजेपी हर वर्ग को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना चाहती है।

महाराष्ट्र के राज्यपाल से मिले आईआईएमसी के महानिदेशक, संस्थान में चल रहे नवाचारों की दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय जन संचार संस्थान के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल को संस्थान में चल रहे नवाचारों की जानकारी दी और आईआईएमसी की शोध पत्रिका 'संचार माध्यम' के 'भारत में मीडिया शिक्षा के 100 वर्ष' विषय पर केंद्रित विशेषांक की प्रति भेंट की। प्रो. द्विवेदी ने आईआईएमसी के अमरावती केंद्र के संबंध में भी कोश्यारी से चर्चा की।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि आईआईएमसी देश का सबसे प्रतिष्ठित मीडिया शिक्षण संस्थान है। यहां के पूर्व विद्यार्थी मीडिया क्षेत्र में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं। अमरावती केंद्र के माध्यम से संस्थान ने मराठी पत्रकारिता के विकास में अहम योगदान दिया है। कोश्यारी ने मीडिया शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में किए गए महत्वपूर्ण प्रयासों के लिए भारतीय जन संचार संस्थान और प्रो. द्विवेदी की प्रशंसा भी की।

इस मुलाकात के दौरान राज्यपाल ने कहा कि प्रो. द्विवेदी यशस्वी पत्रकार और लेखक हैं। ऐसे बौद्धिक योद्धा निश्चय ही नई पीढ़ी के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। प्रो. द्विवेदी को पत्रकारिता का लंबा अनुभव रहा है। वे जिस भी संस्थान में रहे, उसे अपनी कर्तव्यपरायणता और कर्मठता से प्रगति की राह पर आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि आईआईएमसी ने पिछले एक वर्ष में जो नवाचार किए हैं, वे देश के अन्य मीडिया शिक्षण संस्थानों के लिए एक मिसाल हैं।

केरल पुलिस ने लॉन्च किया भारत का पहला ड्रोन फॉरेंसिक लैब एंड रिसर्च सेंटर

तिरुवनंतपुरम। (एजेंसी)।

ऐसे समय में जब देश में ड्रोन एक बड़े सुरक्षा खतरे के रूप में उभर रहा है, केरल पुलिस ने इस संबंध में बढ़ती चिंताओं को दूर करने के लिए शुक्रवार को तिरुवनंतपुरम में ड्रोन फॉरेंसिक प्रयोगशाला एवं अनुसंधान केंद्र शुरू किया है। यह अपनी तरह का पहला संस्थान है। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि ड्रोन के खतरे के पहलुओं को हल करने के अलावा, इस प्रयोगशाला-सह-अनुसंधान केंद्र में मानव रहित हवाई वाहनों की उपयोगिता पक्ष की भी जांच की जाएगी। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने यहां सैप परेड ग्राउंड में आयोजित एक समारोह में अनूठी पहल का उद्घाटन किया, जिसके बाद ड्रोन का प्रदर्शन और एयर शो किया गया। समारोह में विजयन ने कहा कि ऐसी जानकारी है कि राष्ट्र विरोधी ताकतें जासूसी, तस्करी और आतंकवाद सहित विभिन्न विनाशकारी गतिविधियों के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने हाल ही में जम्मू हवाईअड्डे पर आतंकवादियों द्वारा किए गए ड्रोन हमले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, यह आजकल पुलिस सहित विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर चुनौती पेश कर रहा है। केरल पुलिस इसके मद्देनजर इस तरह के एक प्रयोगशाला-सह-अनुसंधान केंद्र लेकर आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस केंद्र में न केवल अनधिकृत ड्रोन का पता लगाया जाएगा, बल्कि पुलिस बल की मदद के लिए मांग के अनुसार हवाई वाहनों का निर्माण भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहले ही स्पष्ट हो चुका है कि कैसे ड्रोन का इस्तेमाल कानून-व्यवस्था को बनाए रखने और लॉकडाउन के दौरान भीड़ प्रबंधन के लिए किया जा सकता है। केरल पुलिस की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य बल कई अन्य राज्यों की पुलिस की तुलना में जांच और दिन-प्रतिदिन के कार्य में प्रौद्योगिकी का उपयोग करने में बहुत आगे है।

करोना में मेडिकल माफिया की लूट में क्या भाजपा सरकार की मिलीभगत है: कांग्रेस

धर्मशाला (एजेंसी)।

मेडिकल माफिया ने करोना महामारी के नाम पर जिस तरह की लूट की है उससे सम्बन्धित रिपोर्ट का खुलासा होने के बाद ऐसा आभास होता है कि सरकार ने इस लूट में मौन स्वीकृति प्रदान कर रखी है।

यह आरोप प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता दीपक शर्मा ने भाजपा सरकार पर लगाए। मीडिया में छपी एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि मानवता के ऊपर आए करोना महामारी के इस संकटकाल में मेडिकल माफिया ने 10 से 500 गुणा तक ज़्यादा बसूली करके आपदा में लूट का अवसर ढूंढ लिया और सरकार ने मौन धारण कर रखा। कोविड के इलाज में रेमीडिसिवर इंजेक्शन की एक कम्पनी की एमआरपी 54,00 और होलसेल कीमत 1900 रुपए थी,इसके छः इंजेक्शन का कोर्स 32,400 रुपए में पड़ा वहीं 800 एमआरपी वाली एक कम्पनी के छः इंजेक्शन के पूरे कोर्स की कीमत महज 4800 रुपए थी यानी एक ही दवा के दाम में 27,600 रुपए का अंतर था।दीपक शर्मा ने कहा कि यही नहीं एंटीबायोटिक इंजेक्शन मैरोपेनम के दस इंजेक्शन की कीमत 36,000 है जबकि इसी इंजेक्शन की दूसरी कम्पनी की दस इंजेक्शन की कीमत 5,000 है।यानी 31,000 रुपए का अंतर।दीपक शर्मा ने कहा कि इसी इंजेक्शन की एक कम्पनी द्वारा एमआरपी 24,00 रुपए लिखी गई है जबकि इसका होलसेल रेट मात्र221 रुपए है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि दवाओं के होलसेल रेट और एमआरपी के अंतर की लूट बिना सरकारी संरक्षण के सम्भव नहीं हो सकती।उन्होनें कहा कि एक ही कंपनी की ब्रांडेड और जेनरिक एक ही दवा के होलसेल रेट में भारी अंतर साफ दिखाता है कि जनता की मजबूरी का मेडिकल माफिया ने जमकर फायदा उठाया।उन्होंने कहा कि करोना की दवा का पूरा कोर्स जो सब लोगों ने खरीदी उसमें 500 प्रतिशत का फायदा मेडिकल माफिया ने कमाया।साईसीसाकलिन होलसेल 5 रुपए और एमआरपी 90,अजीथ्रोमाईसीन(5गोली) 45 की 120 में,आईवर्मेक्टिीन(10गोली) 12 रुपए की 200 में ,विटामिन सी/जिंक 60 की 140 में,विटामिन डी(4गोली) 20 की 130 में स्टीरॉइड(10 गोली) 20 की 100 में यानी प्रत्येक व्यक्ति को 157 रुपए की दवा 780 रुपए में दी गई।दीपक शर्मा ने कहा कि जनऔषधि केंद्रों को सप्लाई की जाने वाली दवाओं में एमआरपी अधिक लिखी जाती है। कम्पनियां मनमाने एमआरपी लिखवा कर दवाओं को महंगे दामों पर बेचते हैं। दीपक शर्मा ने कहा कि देश में खुले 8000 जनऔषधि केंद्रों में 20 से 80 प्रतिशत तक छूट का दावा किया जाता है लेकिन असलियत कुछ और है।दवा माफिया यहां भी घुसपैठ कर चुका है।दीपक शर्मा ने कहा कि मेडिकल माफिया कम्पनियां बड़ी चालाकी से कम्बीनेशन ड्रग बना कर,नाम बदल कर, दवा मूल्य नियंत्रण सूची से बाहर हो जाती हैं। दीपक शर्मा ने कहा कि इस सारे हेरफेर में सरकार का मौन धारण करना शंका पैदा करता है।हालांकि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष सरकार को ब्रांडेड दवा सिस्टम को बन्द करने का सुझाव दे चुके हैं।ब्रांड प्रमोशन ही इस लूट की जड़ है।कांग्रेस नेता ने कहा कि इस तरह की लूट का खुलासा होने के बाद साफ है कि करोना महामारी में आमजन को मेडिकल माफिया ने जमकर लूटा और सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया।

AAP पर भाजपा का प्रहार, केजरीवाल की राजनीति के दो आधार, झूठे वादे और भरपूर प्रचार

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली में भाजपा ने केजरीवाल सरकार पर जमकर हमला किया है। भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल सिर्फ विज्ञापनों में व्यस्त हैं बाकि उन्हें जनता की कोई चिंता नहीं। इन सबके बीच भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता और विपक्ष के नेता रामवीर सिंह बिधूड़ी भी केजरीवाल सरकार पर जमकर प्रहार कर रहे हैं। केजरीवाल सरकार पर प्रहार करते हुए दोनों नेताओं ने ट्वीट किया केजरीवाल जी की राजनीति के दो आधार, झूठे वादे पर भरपूर प्रचार।

देश के हर एक नागरिक को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर पूर्ण विश्वास है। नरेन्द्र मोदी की विकास की सोच और दूरदर्शी पारखी नज़रों की देन है कि आज देश विकास के रास्ते पर जा रहा है। कोरोना महामारी में मोदी सरकार सिर्फ दिल्ली में ही नहीं बल्कि पूरे देश के 80 करोड़ कार्डधारियों को मुफ्त राशन देने के साथ-साथ पूरे देश को मुफ्त वैक्सीन देने का भी काम किया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)